RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381

संपादकः- डॉ. देवेन्द्र मालवीय

11 वर्ष

दैनिक सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

www.sadbhawnapaati.com Email: sadbhawnapaatinews@gmail.com इंदौर, सोमवार ●29 अप्रैल , 2024 वर्षः-12 अंक-1 मूल्य -1 रु. कुल पृष्ठ - 8

वर्ष 12- अंक 1

इंदौर, सोमवार 29 अप्रैल 2024

12 वें वर्ष में प्रवेश

सफलता और समृद्धि के 11 वर्ष पूर्ण

हृदय से आभार

डॉ. देवेन्द्र मालवीय
प्रधान संपादक

समर्पण का दूसरा भाव है
।।सद्भावना पाठक।।

विश्वास की अनूठी गाथा है
।।सद्भावना पाठक।।

स्नेह की जबरदस्त मिसाल है
।।सद्भावना पाठक।।

।। दैनिक सद्भावना पाती अखबार की 12वीं सालगिरह पर प्रिय पाठकों को ढेर सारी शुभकामनाएं ।।

संक्षिप्त समाचार

हम आरक्षण के साथ, हमने कभी नहीं किया विरोध

- विपक्ष के आरोपों के बीच संघ प्रमुख मोहन भागवत का क्लियर मैसेज

नई दिल्ली (एजेंसी)। आरक्षण को खत्म करने के आरोपों के बीच आरएसएस चीफ मोहन भागवत ने बड़ा बयान दिया। भागवत ने घोषणा की कि संघ परिवार ने कभी भी कुछ खास समूहों को दिए जाने वाले आरक्षण का विरोध नहीं किया है। उन्होंने हैदराबाद में एक शैक्षणिक संस्थान में एक कार्यक्रम में कहा कि

संघ का मानना है कि जब तक जरूरत हो, आरक्षण को जारी रखा जाना चाहिए। विपक्ष की ओर से लगातार आरोप लगाया जा रहा है कि मोदी सरकार अपने तीसरे टर्म में आरक्षण को खत्म कर देगी। हैदराबाद में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मोहन भागवत ने कहा कि संघ परिवार ने कुछ समूहों को आरक्षण देने का कभी विरोध नहीं किया है। संघ का मानना है कि आरक्षण तब तक दिया जाना चाहिए जब तक कि इसकी जरूरत है। आरएसएस प्रमुख भागवत ने पिछले साल नागपुर में कहा था कि जब तक समाज में भेदभाव है तब तक आरक्षण दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा था कि भेदभाव समाज में व्याप्त है, भले ही यह दिखाई न देता हो।

राजस्थान-गुजरात में पकड़ाई अत्याधुनिक ड्रग्स लैब

- करीब 300 करोड़ रुपए की मेफेड्रोन ड्रग हुई बरामद

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात एटीएस (आतंकवाद निरोधी दस्ते) और एनसीबी (नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो) ने गांधीनगर और पड़ोसी राज्य राजस्थान में एक साथ चार जगहों पर संयुक्त रूप से छापा मारा और करीब 300 करोड़ रुपए के मेफेड्रोन (एक तरह का मादक पदार्थ) के साथ 13 लोगों को पकड़ा है। यह छापे शुक्रवार को मारे गए थे, जिनकी जानकारी

शनिवार को दी गई। इस दौरान दोनों राज्यों में 3 अति आधुनिक मेफेड्रोन मैन्युफैक्चरिंग लैब्स भी मिलीं। इन छापों को लेकर एक विज्ञप्ति जारी करते हुए एटीएस ने बताया कि, एनानी और राजपुरोहित के साथ-साथ उनके सहयोगियों की गतिविधियों पर नजर रखी गई, जिसके बाद राजस्थान में सिरोही और जोधपुर के अलावा गांधीनगर के पिपलाज गांव और अमरेली जिले के भक्तिनगर औद्योगिक क्षेत्र में स्थित इकाइयों पर छापे मारे गए। छापे के दौरान एटीएस ने 22.028 किलोग्राम मेफेड्रोन बरामद किया।

वायनाड जीतने के लिए कांग्रेस ने 'पीएफआई' की मदद ली

पीएम मोदी बोले-शहजादे ने राजा-महाराजाओं का अपमान किया

बेंगलुरु (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को कर्नाटक में चार सभाएं की। सबसे पहले वे बेलगावी पहुंचे। यहां उन्होंने जनसभा में कहा- कांग्रेस को देश की उपलब्धियां अच्छी नहीं लगती। उन्होंने पहले कोरोना वैक्सीन पर सवाल उठाए फिर ईवीएम के बहाने पूरी

- **औरंगजेब ने हमारे मंदिरों को तोड़ा, कांग्रेस उनके समर्थकों के साथ**

दुनिया में भारत को बदनाम करने की कोशिश की। प्रधानमंत्री ने कहा- कांग्रेस के शहजादे को हमारे राजा-महाराजाओं के योगदान याद नहीं आते। ये वोटबैंक की राजनीति के लिए राजा-महाराजाओं के खिलाफ बोलने की हिम्मत करते हैं और नवाबों, बादशाहों और सुल्तानों के खिलाफ एक शब्द बोलने की ताकत नहीं है। उन्होंने कहा-तुष्टिकरण ही कांग्रेस का लक्ष्य और मिशन है।

पीएफआई एक राष्ट्र विरोधी संगठन जिसे हमारी सरकार ने प्रतिबंधित कर दिया था, कांग्रेस अपने राजनीतिक फायदे के लिए एक माध्यम के रूप में इसका इस्तेमाल कर रही है। वायनाड (राहुल गांधी की संसदीय सीट) में सिर्फ एक सीट जीतने के लिए कांग्रेस ऐसे आतंकी संगठन का बचाव करने में जुटी है। भारत जब मजबूत होता है तो हर भारतीय खुश होता है लेकिन कांग्रेस देशहित से इतना दूर हो चुकी है कि उसे देश की उपलब्धियां अच्छी नहीं लगती। भारत की हर सफलता पर उन्हें शर्म आने लगी है।

राहुल बोले-ओडिशा में बीजेपी और बीजेडी की शादी हो चुकी

- दिल्ली वाले अंकल और नवीन पटनायक ने मिलकर आपका पैसा लूटा

केंद्रपाड़ा (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी रविवार को ओडिशा पहुंचे। उन्होंने केंद्रपाड़ा में रैली में कहा- ओडिशा में बीजेपी-बीजेडी की शादी हो चुकी है। दिल्ली वाले अंकल और नवीन बाबू ने इस शादी में ओडिशा की जनता को पीएएएनएन दिया है। पीएएएनएन मतलब... पीए- पांडियन (नवीन पटनायक के करीबी आईएएस अफसर),ए- अमित शाह, एन- नरेंद्र मोदी, एन- नवीन पटनायक। इन्होंने मिलकर आपका पैसा लूटा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के बीच गठबंधन है। पीएम मोदी ने केंद्र में 22-25 अरबपतियों की सरकार चलाई। वही काम ओडिशा में नवीन बाबू कर रहे हैं। राहुल ने कहा- इसका पूरा का पूरा फायदा मुट्ठी भर लोगों का होता है और बाकी जनता देखती रह जाती है। तेलंगाना में भाजपा और बीआरएस की शादी थी। वहां पर हर रोज उनकी बारात निकलती थी और ड्रामेबाजी होती थी। कांग्रेस पार्टी ने तेलंगाना में दिखाया कि भाजपा और बीआरएस एक हैं।

मणिपुर के कांगपोकपी में गोलीबारी, 1 की मौत

- 12 लोगों ने फायरिंग की, मोर्टार दागे, पुलिस ने महिलाओं-बच्चों को सुरक्षित जगह पहुंचाया

इम्फाल (एजेंसी)। मणिपुर के कांगपोकपी जिले के कांगचुप हिल रेंज में दो गुटों के बीच शनिवार रात से शुरू हुई गोलीबारी रविवार सुबह भी जारी है। इसमें 1 विलेज वॉलंटियर की मौत हो गई है। पुलिस ने बताया कि एक गुट के 12 लोगों ने पहाड़ी इलाके से एक साथ गांव पर ओपन फायरिंग की। उन्होंने मोर्टार भी दागे। जवाब में गांववालों ने भी फायरिंग की। पुलिस अधिकारी ने कहा- कॉर्तुक गांव में गोलीबारी के बाद आसपास के गांव में भी फायरिंग हुई। घरों में गोलियों के निशान साफ देखे जा सकते हैं। महिलाओं और बच्चों को सुरक्षित जगह तक पहुंचाया गया है। गोलीबारी में मारे गए वॉलंटियर का नाम लमांग किपगेन है।

मायावती बोलीं-कांग्रेस-बीजेपी एक, इन्होंने बसपा को तोड़ा

- मुरैना में कहा-गलत नीतियों के कारण कांग्रेस सत्ता से बाहर; बीजेपी चहेतों को मालामाल बना रही

भोपाल। बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो मायावती ने मुरैना में चुनावी सभा को संबोधित किया। उन्होंने बीजेपी और कांग्रेस को एक बताया। कहा कि उत्तरप्रदेश में चार बार बीएसपी के नेतृत्व में सरकार बनी। जब चौथी बार अकेले बलबूते हमारी सरकारी बनी, तब कांग्रेस, बीजेपी और दूसरी जातिवादी पार्टियों ने एक होकर बीएसपी को कमजोर करने के लिए रास्ता निकाला। इन्होंने स्वार्थी और बिकाऊ किस्म के लोगों को तोड़ा। इन्हें आगे कर छोटे संगठन बनवा दिए और बीएसपी के मुकाबले में ले आए। उत्तरप्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा, ग्वालियर में भी एक-दो ऐसे स्वार्थी और बिकाऊ लोग हैं, जिहोंने कांग्रेस और बीजेपी का मकसद पूरा किया। जब लगा कि बीएसपी कमजोर हो गई, तब कभी कांग्रेस तो कभी बीजेपी का दामन थाम लिया। ये बात बाबा साहेब की करते हैं, काम गांधी जी का करते हैं। इनसे सावधान रहना है। बसपा सुप्रीमो ने कहा, ये बीमारी उत्तरप्रदेश में भी है। जहां बीएसपी मजबूत है, वहां विरोधी पार्टियां इस तरह का षड्यंत्र रच रही हैं। मायावती ने मुरैना शहर के मेला मैदान में रविवार को ग्वालियर, मुरैना और भिंड लोकसभा से

ग्वालियर की जनसभा में बोले शिवराज, 'मामा अभी जिंदा है'

भोपाल। लोकसभा चुनाव का प्रचार-प्रसार जोरों पर चल रहा है। ऐसे में नेता अपनी विरोधी पार्टी और उसके नेताओं को लेकर बयानबाजी कर रहे हैं। रविवार को मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी ग्वालियर की एक जनसभा में कांग्रेस पर तंज कसा है। इस दौरान उन्होंने लोगों से सवाल करते हुए कांग्रेस पर तंज कसा और कहा, क्या हम कांग्रेस से कुछ अच्छे की उम्मीद कर सकते हैं। सीएम शिवराज के इस सवाल पर जनसभा में बैठी जनता ने भी हामी भरी। इस दौरान उन्होंने 2023 के एमपी विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की हार पर भी तंज कसा। पूर्व सीएम शिवराज सिंह ने पिछले साल के आखिर में हुए एमपी विधानसभा चुनावों के परिणाम को लेकर भी कांग्रेस पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनावों के दौरान लगातार कहा जा रहा था कि कांग्रेस की सरकार आएगी। इस दौरान उन्होंने कहा कि हमारे भी कुछ लोग घबरा गए थे।

यौन शोषण करते हुए सैकड़ों क्लिप हो रही हैं वायरल

सेक्स स्कैंडल में फंसे पूर्व पीएम देवगौड़ा के पोते,चुनाव छोड़ भागे विदेश

कर्नाटक की राजनीति में भूचाल,एक हजार से ज्यादा क्लिप्स हुई वायरल

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक की राजनीति में एक बड़ा मामला सामने आया है। इस घटना के सामने आने के बाद राज्य में अलग भूचाल मचा है। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा के पोते प्रज्वल रेवन्ना पर एसआईटी शिकंजा कसा है। वह मौजूद लोकसभा चुनाव में कर्नाटक की हासन सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। उनकी सीट पर 26 अप्रैल को वोटिंग हो चुकी है। एसआईटी उन्हें तलाश रही है और सामने आया है कि वह जर्मनी भाग गए हैं। प्रज्वल का मामला सेक्स स्कैंडल से जुड़ा है, जिसमें उनके एक हजार से ज्यादा वीडियो सामने आए हैं। इधर कर्नाटक में जेडीएस के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ रही बीजेपी ने इस विवाद से किनारा कर लिया है।

कांग्रेस के नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार ने हासन से मौजूदा सांसद और इस सीट से जेडीएस उम्मीदवार प्रज्वल रेवन्ना मामले में एसआईटी गठित की है। प्रज्वल रेवन्ना जेडीएस प्रमुख और पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा के पोते हैं। प्रज्वल के पिता एचडी रेवन्ना हासन के होलेनारसीपुर निर्वाचन क्षेत्र से मौजूदा विधायक हैं। हासन संसदीय सीट के लिए मतदान 26 अप्रैल को हुआ था। राज्य में 7 मई को होने वाले लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण से पहले इस घटनाक्रम से राज्य में एक बड़ा विवाद पैदा होने की संभावना है।

प्रदेश पाती

दैनिक सद्भावना पाती

इंदौर, सोमवार 29 अप्रैल, 2024

संक्षिप्त समाचार

न्यायाधीश द्वारा वृद्धाश्रम एवं नशामुक्ति केन्द्र का निरीक्षण किया

सीहोर (निप्र)। प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री सतीश चंद्र शर्मा के निर्देशानुसार संकल्प वृद्धाश्रम एवं संकल्प नशामुक्ति केन्द्र सीहोर का निरीक्षण किया। इस अवसर पर विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री एम.के. वर्मा, जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री जीशान खान, संकल्प वृद्धाश्रम एवं नशामुक्ति केन्द्र से काउंसलर श्री नटवर कुशवाह, वृद्धजन एवं नशामुक्ति केन्द्र में उपचार करा रहे व्यक्ति उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सचिव श्री वर्मा ने कहा कि आप सभी यहां एक व्यसन का उपचार कराने के लिए आए है। जैसे अन्य बीमारी होती है। उसी प्रकार नशा भी एक बीमारी के समान है। जिसका उपचार संभव है। हम सभी को कभी भी किसी भी प्रकार का नशा नही करने का संकल्प करना चाहिए।वृद्धाश्रम में निरीक्षण के दौरान सचिव श्री वर्मा ने वृद्धजनों की समस्याओं को जाना गया। साथ ही वृद्धजन के पास पहुंचकर उनके स्वास्थ्य एवं खानपान सम्बंधी सुविधाओं एवं उपलब्ध व्यवस्थाओं की जानकारी ली गई तथा स्वास्थ्य के प्रति विशेष रूप से सजग रहने की सलाह दी गई।

मतदान प्रक्रिया सम्पन्न कराकर लौटे मतदान दलों का जिला निर्वाचन अधिकारी ने पुष्पहार तथा तिलक लगाकर किया स्वागत

रायसेन (निप्र)। लोकसभा आम निर्वाचन-2024 अंतर्गत होशंगाबाद संसदीय क्षेत्र में शामिल उदयपुरा विधानसभा क्षेत्र में मतदान शांतिपूर्ण संपन्न हुआ। मतदान प्रक्रिया संपन्न कराने के उपरांत मतदान दलों का मतदान सामग्री जमा करने के लिए सामग्री वापसी स्थल रायसेन स्थित शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज परिसर पहुंचना शुरू हो गया। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अरविंद दुबे द्वारा मतदानकर्मियों का पुष्पहार पहनाकर और तिलक लगाकर स्वागत किया गया। सामग्री वापसी स्थल पर रात्रि 10.30 बजे सर्वप्रथम उदयपुरा विधानसभा के मतदान केंद्र क्रमांक 48दूएकीकृत शासकीय माध्यमिक शाला भवन भिलाडिया का मतदान दल पहुंचा। इस मतदान दल के सभी सदस्यों का पुष्पहार पहनाकर और तिलक लगाकर स्वागत किया गया। इसके बाद विधानसभा क्षेत्र उदयपुरा के मतदान केंद्र क्रमांक 61, 17, 20 सहित अन्य मतदान केंद्रों के मतदान दल पहुंचे। सफलतापूर्वक मतदान संपन्न कराने पर जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा सभी की प्रशंसा की गई। मतदान सामग्री जमा कराने के लिए 10 काउंटर लगाए गए। सामग्री वापसी स्थल पर मतदान दलों के लिये कॉम्प्लीमेंट्री स्वल्पाहार की व्यवस्था की गई। जिसकी मतदान दलों द्वारा सराहना की गई। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंजू पवन भदौरिया, अपर कलेक्टर श्रीमती श्वेता पवार तथा एसडीएम श्री पीसी शाक्य सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

व्यय प्रेक्षक ने लेखा प्रकोष्ठ का अवलोकन किया

विदिशा (निप्र)। लोकसभा निर्वाचन 2024 अंतर्गत संसदीय क्षेत्र क्रमांक 18 विदिशा के लिए नियुक्त व्यय प्रेक्षक श्री मेहुल भारत जैन के द्वारा आज विदिशा के अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय में बनाए गए व्यय लेखा प्रकोष्ठ कार्यालय का निरीक्षण किया गया उन्होंने टीम द्वारा संधारित्र अभिलेखों का अवलोकन किया। व्यय प्रेक्षक श्री जैन व्यय लेखा प्रकोष्ठ द्वारा संधारित अभिलेखों से संतुष्ट हुये एवं संपादित किया जा रहे कार्यों को संबंध में आवश्यक मार्गदशन दिया है। निरीक्षण के दौरान संयुक्त कलेक्टर श्रीमति शशि मिश्रा, जिला जनसंपर्क अधिकारी श्री बी.डी. अहरवाल, व्यय लेखा प्रकोष्ठ विदिशा के श्री राजेश सिलावट, सहायक व्यय प्रेक्षक श्री आकाश मेहरा, श्री संजय खंण्डेलवाल एवं श्री वीरेन्द्र तिवारी द्वारा व्यय प्रेक्षक श्री मेहुल भारत जैन के द्वारा इसके उपरांत अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय विदिशा के कक्ष में एफएसटी और एसएसटी की बैठक भी ली। उन्होंने दोनों टीमों द्वारा विधानसभा क्षेत्र में क्रियान्वित कार्यों के संबंध में टीम के सदस्यों से संवाद कर जानकारियां प्राप्त की है।

कलेक्टर वैद्य ने उपार्जन कार्यों का जायजा लिया, स्वीप कार्यक्रम में भी शामिल हुए

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री बुद्धेश कुमार वैद्य और पुलिस अधीक्षक श्री दीपक कुमार शुक्ला ने आज संयुक्त रूप से ग्यारसपुर अनुभाग क्षेत्र में भ्रमण कर मतदान केन्द्रों का जायजा लिया है। खासकर अटारी खेजड़ा, मानोरा मोहम्मदगढ, हैदरगढ़ के मतदान केन्द्रों पर सुरक्षा के दृष्टिकोण से किये जा रहे प्रबंधों की क्रॉस मॉनिटरिंग की है। कलेक्टर श्री वैद्य ने अटारी खेजड़ा के दो मतदान केंद्र देखने के उपरांत मोहम्मदगढ़ और हैदरगढ़ के क्रिटिकल मतदान केन्द्रों का भी जायजा लिया है

उपार्जन कार्यों का अवलोकन

कलेक्टर श्री वैद्य ने भ्रमण के दौरान कोलुआ धामनोद में गेहूं उपार्जन के संपादित किये जा रहे कार्यों का स्थलीय भ्रमण कर जायजा लिया। उन्होंने यहां किसानों से संवाद कर उपार्जन के संबंध में उपलब्ध कराई गई सुविधाओं के संबंध में पूछताछ की। उन्होंने किसानों को समय पर भुगतान हो उपार्जन कार्यों के दौरान समस्याओं से सामान सामना ना करना पड़े के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए हैं।

बाउंड ओवर की कार्यवाही

कलेक्टर श्री बुद्धेश कुमार वैद्य और पुलिस अधीक्षक श्री दीपक कुमार शुक्ला ने हैदरगढ़ थाना क्षेत्र का औचक निरीक्षण किया और यहां बाउंड ओवरों के संबंध में की गई कार्यवाही का जायजा लिया है। पुलिस अधीक्षक श्री शुक्ला ने क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने और मतदान के दौरान किसी भी प्रकार की गड़बड़ी ना हो इसके लिए पूर्व में किए जाने वाले प्रबंधन के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं।

छात्रावासी विद्यार्थियों ने चित्रकला से मतदान का संदेश दिया

ग्यारसपुर में जनजाति कार्य विभाग के द्वारा संचालित बालक छात्रावास में मतदाता जागरूकता से संबंधित कार्यक्रमों का आयोजन किया गया था यहां कलेक्टर श्री बुद्धेश कुमार वैद्य और पुलिस अधीक्षक श्री दीपक कुमार शुक्ला सम्मिलित हुए।

कलेक्टर श्री वैद्य ने छात्रावासी विद्यार्थियों के द्वारा मतदाता जागरूकता के क्षेत्र में चित्रकला के हुनर से संदेशों के संप्रेषण की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए विद्यार्थियों से कहा कि वह इस बात को सुनिश्चित करें कि उनके घर के सभी सदस्य मतदान करें और उनकी बाईं तर्जनी पर अमिट स्याही लगी है कि नहीं का जरूर पता करें इसी प्रकार की प्रेरणा अपने आस पड़ोस के मतदाताओं को भी दें। पुलिस अधीक्षक श्री दीपक कुमार शुक्ला ने छात्रावासी विद्यार्थियों का हौसला अफजाई करते हुए खूब मन लगाकर पढ़ाई करने की प्रेरणा दी। इससे पहले जनजातीय कार्य विभाग की जिला संयोजक श्रीमती पारुल जैन ने आयोजन के उद्देश्यों को रेखांकित करते हुए कहा कि मतदाता जागरूकता के क्षेत्र में विभाग के माध्यम से संपादित किया जा रहे कार्यों में छात्रवासी विद्यार्थियों की भी महती भूमिका है।

विधानसभा स्तरीय मतदान दलो का द्वितीय चरण का प्रशिक्षण शुरू हुआ

विदिशा (निप्र)। लोकसभा निर्वाचन 2024 के अंतर्गत विदिशा जिले की पांचो विधानसभाओं में मतदान प्रक्रिया को सुव्यवस्थित रूप से सम्पन्न कराने हेतु मतदानकर्मियों के लिए द्वितीय चरण का प्रशिक्षण विधानसभा स्तरीय का आयोजन किया जा रहा है।अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर ने एसएटीआई के विभिन्न कक्षो में संचालित प्रशिक्षण का जायजा लिया। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से कहा कि वे निर्वाचन संबंधी तमाम जिज्ञासाओ का समाधान प्राप्ति के उपरांत ही प्रशिक्षण कक्ष को छोड़े। उन्होंने मास्टर टेऊनर्सो से कहा कि वे सहज, सरल सदोउदारणो से प्रशिक्षण को रोचक और आकर्षण स्वरूप में प्रस्तुत करें ताकि मतदानकर्मियों की स्मृति में बना रहें। अपर कलेक्टर श्री डामोर ने सभी मतदानकर्मियों से कहा कि वे ईव्हीएम मशीनो के संचालन से अभ्यासरत हो जाए। उन्होंने हेण्ड टू हेण्ड ईव्हीएम मशीन, व्हीव्हीपैट के कनेक्शन, कार्यप्रणाली, एरर को दूर करने की प्रक्रिया का लगातार अभ्यास करने पर बल दिया है। उन्होंने कहा कि सभी मतदानदलकर्मी ईव्हीएम मशीन संचालन प्रक्रिया से भलीभांति अवगत हो जाने से मतदान केन्द्र पर मशीन से संबंधित कोई समस्या आती है तो टीम के अन्य साथी भी मदद कर सकते है।

बच्चो की तरह देखभाल करें मशीनो की : अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर ने पिंक बूथो को संचालित करने वाली महिला मतदानकर्मियों को भी सम्बोधित किया। उन्होंने सभी मतदानकर्मियों से कहा कि वे निर्वाचन संबंधी तमाम मशीन खासकर ईव्हीएम व व्हीव्हीपैट की देखभाल बच्चों की तरह करें। कई बार सामग्री वितरण के दौरान अथवा बस में सफर करने से मशीनो के रखरखाव में परिवर्तन हो जाता है इस कारण से कनेक्शन करने में कठिनाईयां महसूस होती है।

नर्मदापुरम में स्ट्रांग रुम में ईवीएम बंद-श्री-लेयर सुरक्षा घेरे में स्ट्रांग रुम, 4 जून तक हथियारबंद जवानों का रहेगा पहरा

नर्मदापुरम (निप्र)। मप्र में लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण की वोटिंग के बाद ईवीएम स्ट्रॉन्ग रूम में रखा दी गई। होशंगाबाद-नरसिंहपुर लोकसभा क्षेत्र की सभी आठों विधानसभा क्षेत्रों की ईवीएम मशीन को नर्मदापुरम मुख्यालय पर आईटीआई परिसर में बने स्ट्रांग रुम में रखी गई है। शनिवार सुबह 5 बजे तक मशीनों को स्ट्रांग रुम में रखवाने में जिला प्रशासन व पुलिस जुटी रही। स्ट्रांग रूम की सुरक्षा को तीन लेयर में बांटा गया है। स्ट्रांग रुम चारों तरफ से बैरिकेडिंग लगी है। स्ट्रांग रूम के पास में भीतर पहले लेयर में आईटीबीपी जवान तैनात किए गए हैं जो कि बंदूकों से लेस है। 24 घंटे पल-पल की नजर स्ट्रांग रूम में बनाए हुए हैं। इनके आगे वाले घेरे में सशस्त्र बल के जवान तैनात हैं। ये सुरक्षा जवानों का दूसरा घेरा है। तीसरा घेरा जिला पुलिस बल का है। इन तीन घेरे में से दो पहले वाले घेरे तक कोई नहीं जा सकता। जिला पुलिस बल के घेरे के पास तक लोग जा सकते हैं। शनिवार देर शाम को एसडीओपी पराग सैनी स्ट्रांम रुम की सुरक्षा व्यवस्था देखने पहुंचे। आईटीआई परिसर में बने स्ट्रांग रुम चारों तरफ से बैरिकेडिंग लगी है। कंधे पर बंदूक लटकाए पुलिस के 10 अधिकारी व जवान पहरा दे रहे है। पुलिस जवान के बाहर गेट के बाजू में टैंट लगा है। टैंट के अन्दर एक बड़ा डिस्प्ले चालू है। डिस्प्ले में स्ट्रांग रुम व परिसर में अंदर आने-जाने वाले गेट पर लगे सीसीटीवी कैमरे का लाइव फुटेज दिख रहा है। डिस्प्ले के सामने ही ड्यूटी वाले अधिकारी-कर्मचारियों के बैठने की व्यवस्था की गई है। जहां प्रत्याशी व उनके परिचित एजेंट ठहर व बैठ सकते है। जहां दो कुलर भी रखे है। एसडीओपी पराग सैनी ने बताया ईवीएम मशीनों की सुरक्षा थ्री लेयर घेरे में है। 30 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरे लगे है। ईवीएम रखे हर एक रुम, कमरे के कोने और ईवीएम रुम गेट के बाहर और प्रवेश करने वाले मुख्य गेट पर कैमरे लगे है। सभी कैमरे की रिकार्डिंग व लाइव प्रसारण बाहर लगे डिस्प्ले पर हो रहा है। स्ट्रांग रुम के अंदर होने वाले वाली एक्टिविटी पर सीसीटीवी कैमरे से नजर रखी जा रही है। उन्होंने बताया 8-8 घंटे की शिफ्ट में आईटीबीपी,सशस्त्र बल और जिला पुलिस बल तीनों लेयर में तैनात रहेंगे। 4 जून को मतगणना के दिन ही सभी की मौजूदगी में ईवीएम मशीनों के कमरों की सील खुलेगी।

बिना स्वीकृति के लंबे समय से अनुपस्थित शिक्षकों को पद से पृथक करने की कार्यवाही की जाए

कलेक्टर सिंह ने शिक्षा विभाग की बैठक में बोर्ड परीक्षाओं के परिणामो की समीक्षा की

हरदा (निप्र)। कलेक्टर श्री आदित्य सिंह ने शनिवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में शिक्षा विभाग के अधिकारियों की बैठक में निर्देश दिए कि ऐसे शिक्षक चिन्हित किए जाएं, जो कि बिना किसी सूचना और बिना किसी अनुमति व स्वीकृति के काफी लंबे समय से अनुपस्थित चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे शिक्षकों के विरुद्ध कारण बताओ नोटिस जारी कर, अनुशासनात्मक कार्यवाही शुरू करते हुए पद से पृथक करने की कार्यवाही की जाए। बैठक में जिला पंचायत के सीईओ श्री रोहित सिसोनिया, जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती पीएम सिंह और जिला परियोजना समन्वयक श्री जाटव सहित शिक्षा विभाग के सहायक संचालक, विकासखंड शिक्षा अधिकारी, विकासखंड स्त्रोत समन्वयक और सभी संकुल प्राचार्य उपस्थित थे। कलेक्टर श्री सिंह ने जिला शिक्षा अधिकारी, जिला परियोजना समन्वयक, विकासखंड शिक्षा अधिकारियों संकुल प्राचार्य और विकासखंड स्त्रोत समन्वयकों को निर्देश दिए कि अपने क्षेत्र के स्कूलों का लगातार निरीक्षण करें और स्कूलों में शिक्षा व्यवस्था पर नजर रखें। उन्होंने कहा कि खराब परीक्षा परिणाम वाले स्कूलों की शिक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान दें। उन्होंने कहा कि निरीक्षण के दौरान बिना सूचना के अनुपस्थित पाए जाने वाले शिक्षकों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए। उन्होंने अच्छे परीक्षा परिणाम वाले स्कूलों के प्राचार्यों की सराहना की, तथा खराब परीक्षा परिणाम वाले स्कूलों के प्राचार्यों और संकुल प्राचार्यों के विरुद्ध कार्यवाही के निर्देश दिए । कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि बोर्ड परीक्षा परिणाम में अच्छे नंबर लाने वाले जिले के मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित करने के लिए शीघ्र ही कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। उन्होंने निर्देश दिए कि बिना कलेक्टर की स्वीकृति के कोई भी अटैचमेंट शिक्षा विभाग में ना रहे यह सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर श्री सिंह ने उत्कृष्ट विद्यालय खिरकिया का बोर्ड परीक्षा में अच्छा परिणाम ना आने पर वहां किसी दूसरे प्राचार्य को पदस्थ करते हुए वहां के वर्तमान प्राचार्य को हटाकर जिला निर्वाचन कार्यालय में संलग्न करने के निर्देश भी दिए।

पीले चावल देकर मतदान के लिये दिया न्यौता

हरदा (निप्र)। लोकसभा निर्वाचन के दौरान मतदाताओं को मतदान के लिये प्रेरित करने हेतु मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। इसी क्रम में जनजाति कल्याण विभाग द्वारा वनग्राम कायदा के हाट बाजार में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के तहत निर्वाचन महापर्व में सम्मिलित होने के लिये पीले चावल देकर मतदान करने हेतु न्यौता दिया गया। इसके अलावा नगर परिषद सिराली, सामुदायिक भवन रामपुरा, ग्राम मरदानपुर व नहाली खुर्द में उपस्थित मतदाताओं को मतदान की शपथ दिलाई गई।

तीसरे चरण के सभी 9 संसदीय क्षेत्रों में शांतिपूर्ण मतदान की तैयारी पूर्ण- राजन

रायसेन (निप्र)। लोकसभा निर्वाचन-2024 के अंतर्गत तीसरे चरण के सभी 9 लोकसभा संसदीय क्षेत्रों में निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गयी हैं। सभी मतदान केन्द्रों पर पेयजल, जरूरी दवाइयाँ और टेन्ट की व्यवस्था की जा रही है। मतदाता सूचना पर्ची का वितरण कराया जा रहा है। मुरैना में जरूरत अनुसार फोर्स उपलब्ध कराया जायेगा। मतदान प्रतिशत बढ़ाने के भी प्रयास लगातार किये जा रहे हैं। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने यह बात भारत निर्वाचन आयोग के उप निर्वाचन आयुक्त श्री अजय भादू द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से की गई निर्वाचन तैयारियों की समीक्षा में कही। श्री राजन ने बताया कि प्रदेश में कुल 871 नाके बनाये गये हैं, जहां पर सतत् निगरानी की जा रही है। लगातार जब्ती की कार्यवाही की जा रही है।

भारत निर्वाचन आयोग के उप निर्वाचन आयुक्त श्री अजय भादू ने मुरैना, भिण्ड, ग्वालियर, गुना, सागर, विदिशा, भोपाल, राजगढ़ और बैतूल संसदीय क्षेत्र के सामान्य प्रेक्षक, पुलिस प्रेक्षक और व्यय प्रेक्षक से अलग-अलग चर्चा कर निर्वाचन तैयारियों की जानकारी ली। प्रेक्षकों ने जिलों की टीम द्वारा की जा रही निर्वाचन तैयारियों की जानकारी दी। अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राजेश कौल, संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री बसंत कुर्रे और स्टेट पुलिस नोडल ऑफिसर श्री अंशुमन सिंह भी उपस्थित रहे।

घंटा घर चौक में गूंजा नारा - 'हरदा नहीं है किसी से कम, वोट करेंगे हम'

हरदा (निप्र)। आगामी 7 मई को लोकसभा निर्वाचन के लिए मतदान संपन्न होगा। इससे पूर्व मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से जिले में प्रतिदिन कार्यक्रम आयोजित किया जा रहे हैं। इसी क्रम में शनिवार को स्वास्थ्य विभाग द्वारा हरदा शहर में रैली आयोजित की गई । इस रैली में हरदा नगर के प्रमुख मार्ग व ऐतिहासिक घंटाघर चौक पर ष्हरदा नहीं है किसी से कम, वोट करेंगे हम जैसे नारे लगाए गए। रैली में नर्सिंग स्टूडेंट, नर्सिंग ऑफिसर, चिकित्सा अधिकारी कर्मचारियों ने भाग लिया ।यह रैली जिला चिकित्सालय हरदा से रवाना होकर नगर के मुख्य मार्ग से होते हुए ऐतिहासिक घंटाघर पहुँची जहाँ सिविल सर्जन डॉ. मनीष शर्मा ने मतदान के महत्व को बताते हुए सभी नागरिकों से 7 मई को लोकसभा निर्वाचन में भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया । रैली में डॉ. ब्रजेश रघुवंशी, डॉ राजेश सतीजा, डॉ. मोनू चौरे, डॉ आयुषी गुप्ता, डॉ जीनू मेरी, डॉ पूर्वी पटेल, आशीष साकल्ले सहित इंडियन मेडिकल एसोशिएशन के सदस्य व नर्सिंग स्टूडेंट शामिल हुए। रैली नगर के विभिन्न मार्गों से होती हुए जिला चिकित्सालय पहुँची, जहाँ पर सभी को स्वयं मतदान करने व अन्य लोगों को मतदान हेतु प्रेरित करने की शपथ दिलाई गई।

लोकतंत्र को मिल रहा है बुजुर्गों का आशीर्वाद होम वोटिंग के पहले दिन बुजुर्ग एवं दिव्यांग मतदाताओं ने किया मतदान

सीहोर (निप्र)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार भोपाल, विदिशा एवं देवास संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के लिए में 85 वर्ष एवं अधिक आयु के बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाताओं को होम वोटिंग की वैकल्पिक सुविधा का लाभ दिया जा रहा है।सीहोर जिले के 1463 ऐसे मतदाताओं ने होम वोटिंग सुविधा के विकल्प का चयन किया है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री प्रवीण सिंह के निर्देशानुसार 26 अप्रैल से होम वोटिंग का कार्य प्रारंभ हो गया है। जिले की चार विधानसभा क्षेत्रों में घर पर मतदान कराने के लिए 140 मतदान दलों का गठन किया गया है, जो ऐसे मतदाताओं के घर पर पहुंच कर मतदान दलों द्वारा भारत निर्वाचन आयोग की गाइड लाइन के अनुसार घर पर ही पोलिंग बूथ बनाकर मतदान कार्य करा रहे हैं।

होम वोटिंग का विकल्प देने वाले विधानसभा वार मतदाता : लोकसभा चुनाव-2024 के लिए 85 वर्ष एवं अधिक आयु के बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाताओं को होम वोटिंग की वैकल्पिक सुविधा का लाभ दिया जा रहा है। जिले के कुल 1463 मतदाताओं ने होम वोटिंग का विकल्प दिया है। इसमें 18-विदिशा संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली विधानसभा बुदनी 289 मतदाताओं ने होम वोटिंग का विकल्प दिया है। इनमें 190 मतदाता 85 वर्ष एवं अधिक आयु के तथा 99 मतदाता दिव्यांग हैं तथा विधानसभा इछावर में 195 मतदाताओं ने होम वोटिंग का विकल्प दिया है। इनमें 178 मतदाता 85 वर्ष एवं अधिक आयु के तथा 17 मतदाता दिव्यांग हैं।

इसी प्रकार 19-भोपाल संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली विधानसभा सीहोर में 271मतदाताओं ने होम वोटिंग का विकल्प दिया है। इनमें 190मतदाता 85 वर्ष एवं अधिक आयु के तथा 81 मतदाता दिव्यांग हैं। इसी प्रकार 21-देवास संसदीय क्षेत्र के अन्तर्ग आने वाली विधानसभा आष्टा में कुल 708 मतदाताओं ने होम वोटिंग का विकल्प दिया है। इनमें 576 मतदाता 85 वर्ष एवं अधिक आयु के तथा 132 मतदाता दिव्यांग हैं।

होम वोटिंग के लिए मतदान दलों की संख्या : विदिशा, भोपाल एवं देवास संसदीय क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाली जिले की चारो विधानसभा के लिए 140 मतदान दल होम वोटिंग की प्रक्रिया सम्पन्न कराएंगे। बुधनी विधासभा में 48, इछावर विधानसभा में 27, सीहोर विधानसभा में 25 तथा आष्टा विधानसभा 40 मतदान दल 85 वर्ष एवं अधिक आयु के बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाताओं से निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार होम वोटिंग की कार्यवाही सम्पन्न कराएंगे।

लोकतंत्र को मिला बुजुर्गों का आशीर्वाद : चाहे किसी की उम्र 90-95-100 वर्ष की हो या कोई बिस्तर में हो, किसी को चलने या अन्य किसी प्रकार की तकलीफ हो, परन्तु उनमें लोकतंत्र के इस महापर्व में हिस्सा लेने का जज्बा कायम है और उन्होंने आज पूरे उत्साह के साथ अपने मताधिकार का प्रयोग किया। निर्वाचन आयोग द्वारा इस विधानसभा चुनाव में 85 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्ग एवं दिव्यांग मतदाताओं के लिए होम वोटिंग की सुविधा दी है। मतदान दल द्वारा उनके घर जाकर पोस्टल बैलेट के माध्यम से मतपेटी में मतदान कराया गया। भोपाल संसदीय क्षेत्र के सीहोर विधानसभा के अन्तर्गत सीहोर नगर तिलक पार्क में मतदान दल 100 वर्षीय सिंगार बाई, बासपुरा कस्बा निवासी 100 वर्षीय जमीला बी तथा ब्राम्हणपुरा निवासी 85 वर्षीय मूलचंद के घर पहुंचा। मतदान दल द्वारा इन तीनों बुजुर्ग मतदाओं और उनके परिजनों को मतदान की प्रक्रिया समझाई गई और उसके पश्चात सभी औपचारिकताएं पूर्ण की गई।

जिले में 100 वर्ष व इससे अधिक आयु के मतदाता लोकतंत्र के प्रहरी बनकर करेंगे मताधिकार का प्रयोग

विदिशा (निप्र)। लोकसभा निर्वाचन 2024 में तृतीय चरण के मतदान में 7 मई को विदिशा जिले के 11 लाख से अधिक मतदाता वोट करेंगे। इसके साथ ही इन 11 लाख से अधिक मतदाताओं में विदिशा जिले के 147 वे मतदाता भी शामिल हैं जिनकी आयु 100 वर्ष से अधिक हो चुकी है। यह मतदाता लोकतंत्र के प्रहरी बनकर सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करते हैं जो जिले के सभी मतदाताओं को यह संदेश देते हैं कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रत्येक नागरिक का मत क्या महत्व रखता है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती मोहिनी शर्मा ने बताया कि विदिशा जिले की पांचो विधानसभाओं में 100 वर्ष व इससे अधिक आयु के कुल 147 मतदाता दर्ज हैं जिनमें विदिशा विधानसभा में सबसे कम 16, बासौदा में 24, कुरवाई में 30 तथा सर्वाधिक सिरोंज में 41 और शमशाबाद में 36 मतदाता शामिल हैं। 100 वर्ष से अधिक आयु के सर्वाधिक मतदाता सिरोंज विधानसभा में हैं जिनमें अलीगढ़ कोटरा की श्रीमती कस्तूरी बाई पूरे जिले में सर्वाधिक आयु 112 वर्ष की मतदाता हैं। जबकि 100 वर्ष या इससे अधिक आयु के सबसे कम मतदाता विदिशा विधानसभा में शामिल हैं।

दैनिक
सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

इंदौर पाती

इंदौर, सोमवार 29 अप्रैल, 2024

इंदौर के 100 करोड़ के फर्जी बिल घोटाले में छापे

एफआईआर के बाद पुलिस का एक्शन, निपानिया और मदीना नगर पहुंची पुलिस

इंदौर (नप्र)। नगर निगम में 107 करोड़ के फर्जी बिल घोटाले में पुलिस ने आरोपियों की धरपकड़ शुरू कर दी है। रविवार को सुबह पुलिस पहले अपटॉउन निपानिया में आरोपी राहुल वडेरा के यहां दबिश दी। इसके बाद मदीना नगर स्थित आरोपी मोहम्मद सिद्दीकी के घर पहुंची। दोनों जगहों पर नगर निगम के अधिकारी भी मौजूद हैं। बताया जा रहा है कि पुलिस और निगम की टीम ने 8 जगहों पर छापेमारी की है। पुलिस ने आरोपियों के घर में सर्चिंग की। पुलिस ने इस मामले में शुक्रवार रात को एक एफआईआर दर्ज की थी। नगर निगम का यह घोटाला अब 107 करोड़ तक पहुंच गया है। पांचों कंपनियों ने वर्ष 2015 से वर्ष 2022 तक 107 करोड़ रुपए के 188 बिल वित्त विभाग में प्रस्तुत किए। वर्ष 2022 के पहले इन फर्मों द्वारा प्रस्तुत सभी 168 बिलों के एवज में 79 करोड़ का भुगतान हो चुका है।सिर्फ 20 बिल से जुड़ा 28 करोड़ रुपए का भुगतान रुका है। इन पांचों फर्म नींव कंस्ट्रक्शन (मो. साजिद), ग्रीन कंस्ट्रक्शन (मो. सिद्दीकी), किंग कंस्ट्रक्शन (मो. जाकिर), क्षितिज इंटरप्राइजेस (रेणु वडेरा) और जाह्नवी इंटरप्राइजेस (राहुल वडेरा) के खिलाफ नगर निगम एफआईआर दर्ज करवा चुका है।पुलिस ने इन आरोपियों पर 10 हजार रु. का इनाम भी घोषित किया है। निगम कमिश्नर शिवम वर्मा ने इन सभी फर्मों को ब्लैक लिस्टेट कर इनके सारे भुगतान पर रोक लगा दी है।

देर रात एफआईआर दर्ज

एमजी रोड पुलिस ने फर्जी बिल बनाकर नगर निगम में पेश करने के मामले में शुक्रवार देर रात एक और एफआईआर दर्ज कर ली। पुलिस ने इसमें तीन आरोपी बनाए हैं। एमजी रोड पुलिस के मुताबिक मोहम्मद साजिद, निवासी खजराना नगर, मोहम्मद सिद्दीकी, निवासी मदीना नगर और राहुल वडेरा निवासी आशीष नगर को आरोपी बनाया है। तीनों पर शुक्रवार देर रात धारा 420 सहित धोखाधड़ी की अन्य धाराओं में केस दर्ज किया है।

निगम की समिति भी कर रही जांच

पुलिस के साथ ही निगम की आंतरिक समिति भी जांच कर रही है। बीते 10 सालों में इन फर्मों को कितना भुगतान हुआ है। उन सभी कामों का भौतिक सत्यापन भी करवाया जा रहा है। 188 में से 10 फाइलें जनकार्य, उद्यान सहित अन्य विभागों की बताई जा रही हैं। हैरानी यह है कि इन फर्मों को सारा भुगतान हो चुका है जबकि कई ऐसे भी ठेकेदार हैं जो पिछले भुगतान के लिए निगम के चक्कर लगा रहे हैं। वर्ष 2022 के पहले इन पांचों फर्मों ने अपना सारा भुगतान निगम से ले लिया।

महापौर सरकार से जांच की मांग कर चुके हैं

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने नगर निगम में हुए 28 करोड़ रु. के फर्जी बिल घोटाले की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और प्रमुख सचिव (नगरीय प्रशासन) को पत्र लिखा है। इसमें अधिकारियों की भूमिका पर सवाल उठाए हैं कि उन्होंने इतने लम्बे समय तक घोटाले को क्यों छिपाए रखा? घोटाले की फाइलें कार में क्यों रखी थी और कैसे चोरी हो गई? उन्होंने 2022 से पहले हुए नाला ट्रैपिंग की भी जांच की मांग की है।

इंदौर में मई में फिर सस्ता होगा सोना

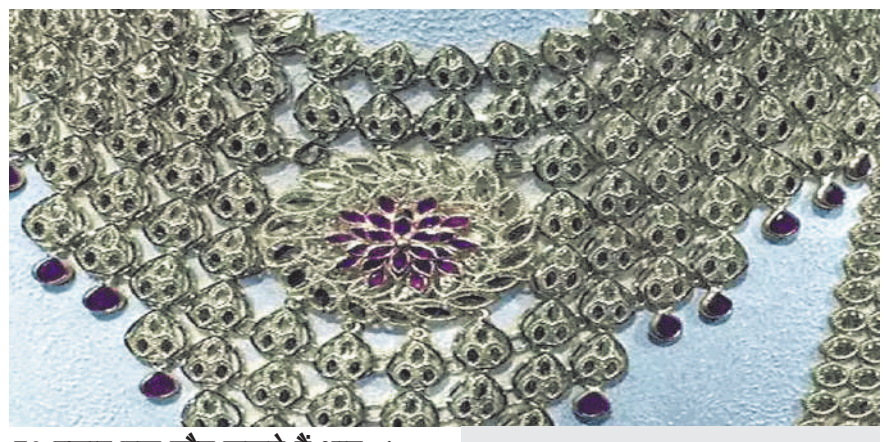

70 हजार तक लौट सकते हैं भाव, 1 हफ्ते में आ गई इतनी बड़ी गिरावट..

इंदौर(नप्र)। इजराइल और ईरान के बीच युद्ध टलते दिखने का असर सोना-चांदी मार्केट पर पड़ा है। जिस रफ्तार से सोना उछला था, अब उसमें रिवर्स गियर लगा है। चार दिन से लगातार सोने का भाव गिरा है। 17 अप्रैल को सोना पहली बार 75 हजार की रिकॉर्ड कीमत को पार कर गया था। लेकिन, अब वापस 72 हजार रुपए पर आ गया है।इंदौर के सराफा व्यापारियों का कहना है कि अभी सोने के भाव में गिरावट का यह दौर जारी रहेगा। मई के दूसरे हफ्ते तक सोने के भाव 70 हजार के आस पास आ सकते हैं। हालांकि, इस साल के आखिर में आते-आते सोना महंगा ही होगा। भाव 80 हजार के पार जाने का अनुमान जताया है।

वो वजह, जिसके कारण गिर रहे सोने के भाव...

1. अंतरराष्ट्रीय बुलियन वायदा मार्केट में निवेशकों और सटोरियों की मुनाफा वसूली की बिकवाली बढ़ने के कारण सोने की कीमतों में गिरावट।
2. इजराइल और ईरान के बीच युद्ध टलता दिख रहा है। जिस वजह से मिडिल ईस्ट में पॉलिटिकल क्राइसिस में सुधार देखा जा रहा है। जिससे सोने के भाव में बढ़ोतरी रुकी हुई है।
3. सराफा व्यापारियों का मानना है कि सोने के भाव 75 हजार तक जाने की वजह से ग्राहकी कमजोर होने और डिमांड गिरने से भाव में लगातार गिरावट देखी जा रही है।

एअरफोर्स के रिटायर्ड अफसर का बैग चोरी

आशाराम आश्रम में फंक्शन में शामिल होने इंदौर आए थे

इंदौर (नप्र)। इंदौर के तेजाजी नगर में एयरफोर्स से रिटायर्ड अफसर का बैग चोरी हो गया। वह अहमदाबाद से इंदौर आशाराम आश्रम में कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे। इस दौरान उनके साथ वारदात हो गई। पुलिस के मुताबिक उनके बैग से नकदी और मोबाइल गायब हुआ है।तेजाजी नगर पुलिस के मुताबिक घटना आशाराम बापू आवास ग्रह की है। अहमदाबाद में रहने वाले विजयपाल सिंह चौहान यहां आए थे। फंक्शन के बाद रात में 1 बजे अपने रूम में सो गए। इसके बाद सुबह 4 बजे उठे और समय देखने के लिये मोबाइल देखने लगे। लेकिन मोबाइल नहीं मिला। नजदीक ही रखा बैग भी नहीं था। इसके बाद बाकी साथियों को उठाया। सुबह सर्चिंग की तो गार्डन में नजदीक ही मेरा सूटकेस पड़ा मिला। उसमें कपड़े और मोबाइल की सिम मिल गई। लेकिन नकदी रखा हुआ बैग और मोबाइल नहीं मिला। बाद में साथी के साथ तेजाजी नगर थाने पहुंचे ओर मामले में केस दर्ज कराया है।

बावड़ी में मिला युवक का शव

पुलिस ने एसडीआरएफ की टीम की मदद से निकाला, पहचान करने में जुटी पुलिस

इंदौर (नप्र)। इंदौर के राजेन्द्र नगर में शनिवार शाम एक बावड़ी से एक शव पड़ा मिला। सूचना के बाद पुलिस ने शव को बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिये जिला अस्पताल पहुंचाया है। राजेन्द्र नगर पुलिस के मुताबिक शनिवार शाम एबी रोड की वाइन शॉप के पास एक खुली बावड़ी में युवक के शव होने की जानकारी मिली थी। इसके बाद मौके पर पहुंचकर उसे बाहर निकाला गया। शव की शिनाख्त नहीं हो पाई है। लगभग उसकी उम्र 40 साल बताई जा रही है। पुलिस मामले में जांच कर रही है।

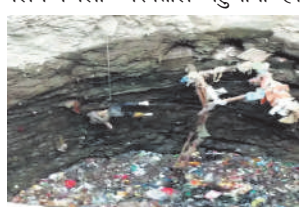

किसान की दो कारों सहित तीन के कांच फोड़े

रास्ते से ईंट हटाने को लेकर पिता-पुत्र और रिश्तेदारों ने किया लाठियों से हमला, महिलाएं भी घायल

इंदौर (नप्र)। इंदौर के बाणगंगा में एक किसान और परिवार की महिलाओं के साथ पड़ोसियों ने मारपीट की। इतना ही नहीं आरोपियों ने एक के बाद एक तीन कारों के कांच फोड़ दिए। इसमें से दो गाड़ियां किसान की थी। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है।बाणगंगा पुलिस के मुताबिक मामला ग्राम भांग्या का है। शनिवार रात अरुण मालवीय अपने रिश्तेदार के यहां एअरपोर्ट रोड पर शादी सामारोह में शामिल होने पहुंचे थे। रात 11 बजे वह शादी समारोह से वापस आ रहे थे। राधेश्याम और सुरेश ने अपने घर के पास रास्ते में ईंट जमा रखी थी। इस कारण कार निकलने में दिक्कत हो रही थी।इस दौरान अरुण मालवीय कार से उतरकर ईंटें हटाने लगे। राधेश्याम तब बाहर आए और अपशब्द कहने लगे। रोकने पर राधेश्याम ने अपने घर से अन्य लोगों को बुला लिया। वह लाठियां लेकर बाहर आए और अरुण पर हमला कर दिया। बचाव करने आई अरुण की भाभी संगीता और पत्नी संतोषी पर हमला कर दिया।इतना ही नहीं आरोपियों ने अरुण की कार भतीजे सचिन मालवीय की कार और जमाई अजय मालवीय की कार के कांच फोड़ दिए।

इंदौर पहुंचे बागेश्वरधाम पीठाधीश्वर पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री , एयरपोर्ट पर गूंजे जय-जय श्रीराम

बैंडबाजे के साथ निकली कलशधारी महिलाएं, भजनों पर झूमे श्रद्धालु

इंदौर (नप्र)। सिद्धपीठ बागेश्वरधाम के पीठाधीश्वर पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की कथा इंदौर के कनकेश्वरी मैदान में रविवार से शुरू होने से पहले दोपहर को रेडिमेड कॉम्प्लेक्स सफेद मंदिर के कलश यात्रा निकाली गई। इसमें बड़ी संख्या में कलशधारी महिलाएं और भाजपा नेताओं के साथ ही श्रद्धालु शामिल हुए। कलश यात्रा सुबह 10 बजे निकलने वाली थी, लेकिन 11:50 बजे कलश यात्रा शुरू हो सकी, जो 12:25 बजे कथास्थल पहुंची। कलश यात्रा में बैंडबाजे और बग्घियां शामिल थीं। इस दौरान भजनों पर श्रद्धालु थिरकते हुए चल रहे थे।

कलश यात्रा में विधायक रमेश मेंदोला और भाजपा कार्यकर्ता शामिल हुए। इधर, दोपहर को बागेश्वरधाम के पीठाधीश्वर पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री विमान से इंदौर पहुंचे। इस दौरान एयरपोर्ट पर बड़ी संख्या में उनके प्रशंसक पहुंचे और पूरा परिसर जय जय श्रीराम के उद्घोष से गूंज उठा।श्रीमद् भागवत कथा के पहले दिन रविवार को कलश यात्रा के बाद शाम को भजन गायक कन्हैया मित्तल की भजन संध्या भी होगी। उल्लेखनीय है कि कथा प्रतिदिन शाम 4 बजे से होगी। बागेश्वरधाम के पीठाधीश्वर पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री 4 मई तक रोजाना शाम 4 बजे से 7 बजे तक कथा सुनाएंगे। कथा के लिए एक लाख वर्गफीट में तीन पंडाल बनाए गए हैं, जिसमें हजारों भक्तों के बैठने के लिए समुचित बैठक व्यवस्था रहेगी। राजस्थान के मुख्य आध्यात्मिक केंद्र खाटू श्याम मंदिर की प्रतिकृति मंच पर बनाई गई है, जिसमें खाटू श्याम बाबा का दरबार भी बनाया गया है। कथा के दौरान रोजाना भगवान का विशेष शृंगार होगा और महाआरती की जाएगी। कथा के साथ-साथ भजन संध्या का भी आयोजन किया जाएगा।

दिव्य दरबार 2 मई को लगेगा

आयोजकों ने बताया कि बागेश्वर धाम सरकार का 2 मई को दिव्य दरबार भी लगेगा, जिसमें दुःखी पीड़ित व्यक्तियों की अर्जी भी लगेगी। पं. शास्त्री कथा में विभिन्न प्रसंगों का वर्णन करेंगे। सात दिनों तक जमकर भक्ति की धारा बहेगी। इस कथा में इंदौर सहित प्रदेशभर के भक्त जुटने की संभावना है। शुक्रवार को विधायक रमेश मेंदोला ने कथा स्थल की तैयारी का जायजा लिया था।

पति-पत्नी पर गुंडों ने किया चाकू-डंडों से हमला

पति को गर्दन-चेहरे पर चाकू मारे, पत्नी को भी पीटा

इंदौर (नप्र)। इंदौर के खजराना में रहने वाले एक दंपती पर दो युवकों ने चाकू से हमला कर दिया। इस हमले में पति के चेहरे और गर्दन पर चोटें आई हैं। वहीं पत्नी को बचाव के दौरान लात घूंसो से पीट दिया। पीड़ित मामले में थाने पहुंचा। यहां पुलिस ने मामूली धाराओं में केस दर्ज कर पीड़ित परिवार को रवाना कर दिया।खजराना पुलिस के मुताबिक जावेद अली निवासी तंजीम नगर खजराना की शिकायत पर वहीद और अकरम के खिलाफ सामान्य मारपीट की धाराओं में केस दर्ज किया गया है। जावेद अली ने बताया कि वह अपनी मम्मी से मिलने हीना पैलेस कॉलोनी गया था।शनिवार रात करीब 11 बजे वह पत्नी सबीना के साथ यहां से पैदल वापस आ रहा था। हिना कॉलोनी मैदान में वहीद और अकरम बैठे हुए थे। यहां दोनों कमेंट्स करने लगे। मैंने रोका तो दोनों ने विवाद शुरू कर दिया। अपशब्द कहते हुए लात घूंसो से मारपीट कर दी।पत्नी सबीना ने बीच में आकर बचाव किया। तो अकरम लकड़ी लेकर आया और पीटना शुरू कर दिया। वाहिद ने चाकू निकालकर चेहरे और गर्दन पर वार किया। इसके बाद आरोपी मौके से भाग गए। पुलिस ने मामले में केस दर्ज किया है।

ओंकारेश्वर से आ रहे युवक पर चाकू से हमला- मल्हारगंज में भी दो दोस्तों पर तीन आरोपियों ने चाकू से हमला कर दिया। इस हमले में एक युवक को सिर में चोट आई है। पुलिस ने गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया है। युवराज सेन निवासी आराधना नगर ने बताया वह अपने दोस्त अक्षय के साथ ओंकारेश्वर गया था।बड़ा गणपति पर रेड सिग्नल होने के चलते वह रुक गया। इस दौरान वहां मुकुल वाजपेयी, जय्यू और कालू निवासी बड़ा गणपति पहुंचे। मुकुल ने पूर्व से चले आ रहे विवाद के चलते अपशब्द कहे और बाइक की चाबी निकाल ली। इसके बाद जय्यू और कालू ने लात घूंसों से पीटा।

सड़क दुर्घटना में युवक का ब्रेन डेड, हार्ट और लंग्स अहमदाबाद के मरीजों को ट्रांसप्लांट

इंदौर (नप्र)। एक युवक की ब्रेन डेड के बाद उसके ऑर्गन्स पांच मरीजों को ट्रांसप्लांट किए गए। इनमें हार्ट और लंग्स अहमदाबाद के मरीजों को, दोनों किडनियां और लिवर इंदौर के मरीजों को ट्रांसप्लांट किए गए। इसके लिए 56वां ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया। एक कॉरिडोर विशेष ज्युपीटर हॉस्पिटल से चोइथराम हॉस्पिटल और दूसरा एयरपोर्ट तक के लिए बनाया गया।मामला सुनील राजपूत (24) निवासी छिदगांव तमोली रहटगांव (हरदा) है। सड़क दुर्घटना में वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। इस पर उसे विशेष ज्युपीटर हॉस्पिटल में एडमिट किया गया था। शनिवार को डॉक्टरों की टीम ने उसे ब्रेन डेड घोषित किया। इसके बाद मुस्कान ग्रुप के सेवादार जीतू बगानी, संदीपन आर्य व डॉक्टरों ने परिजन की अंगदान को लेकर काउंसलिंग की तो उन्होंने सहमति दी। शाम को इसके लिए दो ग्रीन कॉरिडोर बनाए गए। इसमें हार्ट और लंग्स के लिए हॉस्पिटल से एयरपोर्ट तक कॉरिडोर बनाया गया। फिर वहां से हार्ट और लंग्स को प्लेन से अहमदाबाद रवाना किया गया। एक किडनी और लिवर ज्युपीटर हॉस्पिटल में एडमिट मरीज को ट्रांसप्लांट की गई। दूसरी किडनी के लिए चोइथराम हॉस्पिटल तक के लिए कॉरिडोर बनाया गया और वहां ट्रांसप्लांट की गई।

इंदौर में 8 मुस्लिमों ने अपनाया हिंदू धर्म

खजराना गणेश मंदिर में विधि विधान से किया धर्म परिवर्तन

इंदौर (नप्र)। इंदौर में शनिवार को मुस्लिम समाज के 8 लोगों ने हिंदू धर्म अपना लिया। इनमें इंदौर के खजराना इलाके के 3 और 5 मंदसौर जिले के रहने वाले हैं। इन आठ लोगों में तीन महिलाएं भी हैं। ये सभी भगवा वस्त्र पहनकर खजराना मंदिर पहुंचे, जहां विधि-विधान से इनका धर्म परिवर्तन कराया गया। इस दौरान इन्होंने कहा कि सनातन धर्म से बहुत पहले से प्रभावित थे। इसका न प्रारंभ है और न अंत है।विहिप नेता संतोष शर्मा ने बताया कि खजराना गणेश मंदिर में मंत्रोच्चार के साथ इनकी घर वापसी कराई गई।

अब परवीन बी से पल्लवी, इरफान से ईश्वर, गफ्फार से गोविंद, मोहम्मद यूनुस से मोहन लाल, शेरू से ओमप्रकाश, रुकैया बी से रुक्मिणी, तमन्ना से तन्नू, हैदर से हरि नारायण हो गए हैं।खजराना मंदिर आने के पूर्व इन सभी को पाटीदार समाज की धर्मशाला में पंडितों ने गोमूत्र, मिट्टी और 10 प्रकार के स्नान से पवित्र कराया। इसके बाद भगवा वस्त्र पहनाकर मंदिर लाया गया।

हैदर से हरि बने, कहा- मैंने नया जन्म लिया

खजराना के हैदर से हरि बने शख्स ने बताया सनातन धर्म से बहुत पहले से प्रभावित था। मैंने इसका काफी अध्ययन किया है। उन्होंने बिना नाम लिए कहा कि कुछ धर्म में अपने अनुयायियों को दुष्टता की श्रेणी में रखा है। फिर उनको यह कहना कि फलां को नष्ट कर देना चाहिए। यह विचारधारा सनातन धर्म की नहीं है। सनातन धर्म सभी धर्मों को महत्व देता है। इसका न प्रारंभ है और न अंत है। मैंने आज अंधेरे से उजाले में प्रवेश किया है। मैंने आज एक तरह से नया जन्म लिया है। मुझे परिवार का विरोध नहीं बल्कि सहयोग ही मिला है।

धर्म परिवर्तन के बाद मिलीं धमकियां

धर्म परिवर्तन के बाद हरि ने बताया कि मेरे पास लगातार फोन आ रहे हैं। मुझे जान से मारने की धमकी दी जा रही है। अपशब्द भी कह रहे हैं।

बाट से निकली चिंगारी से भभकी थी पटाखा फैक्ट्री

ब्लास्ट की जांच में खुलासा, 3 लोगों की गई थी जान

इंदौर (नप्र)। 12 दिन पहले 16 अप्रैल को महू के अंबाचंदन गांव में पटाखा फैक्ट्री में हुए विस्फोट की मजिस्ट्रियल जांच पूरी हो गई है। जांच में विभागों के साथ फैक्ट्री मालिक की भी लापरवाही सामने आई है। कलेक्टर आशीष सिंह ने बताया कि जांच रिपोर्ट मुझे मिली है। उसे देखने के बाद जो भी दोषी होंगे उन पर कार्रवाई की जाएगी।रिपोर्ट में बताया है कि विस्फोट एक छोटे कमरे में हुआ। यहां कर्मचारी रोहित परमानंद (20), अर्जुन राठौड़ (27) और उमेश चौहान (29) बारूद तैयार कर रहे थे। कमरे में सुतली बम बनाने के लिए तैयार कच्चे माल के रूप में सल्फर, सोडा और एल्यूमीनियम पाउडर रखा था। इस दौरान बारूद तोलने वाला लोहे का बाट फिसलकर जमीन पर गिर गया, जिससे चिंगारी निकली और वहां रखे बारूद में विस्फोट हो गया।16 अप्रैल को अंबाचंदन गांव में पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट में तीन कर्मचारी 70 प्रतिशत से अधिक जल गए थे। इनकी इलाज के दौरान चोइथराम हॉस्पिटल में मौत हो गई थी। मामले में पुलिस ने केस दर्ज किया था। इसके साथ ही कलेक्टर आशीष सिंह ने एडीएम गौरव बेनल को मजिस्ट्रियल जांच सौंपी थी।जांच अधिकारी ने मालिक और मजदूरों समेत नौ लोगों के बयानों लिए। इनका कहना है कि जमीन पर बाट गिरने से विस्फोट हुआ है। हालांकि मालिक शाकिर खान ने इस विस्फोट के लिए कर्मचारियों को जिम्मेदार बताया है। शाकिर खान ने कहा कि वहां मौजूद कर्मचारी लोहे की छड़ों से खेल रहे थे। इससे चिनगारी निकली और विस्फोट हो गया। खान ने यह भी दावा किया कि कमरे में 15 किलो बारूद रखा था, जिसके लिए अनुमति ली थी।16 अप्रैल को ब्लास्ट के अगले दिन प्रशासन के साथ इंदौर से बीडीडीएस (बम निरोधक दस्ता) और एफएसएल अधिकारियों ने पटाखा बनाने वाले चार केमिकल के सैंपल लिए।

दैनिक सद्भावना पाती
इंदौर, सोमवार 29 अप्रैल, 2024

संपादकीय | इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन सौ फीसद सुरक्षित

एक बार फिर सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट कर दिया कि इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन यानी ईवीएम पर नाहक सवाल उठाना उचित नहीं है। इससे शक ही पैदा होता है। अदालत ने ईवीएम संबंधी सभी याचिकाओं को खारिज कर दिया। दरअसल, ईवीएम को लेकर आशंका जाहिर की जा रही थी कि उसे बाहर से नियंत्रित किया और मतों में गड़बड़ी की जा सकती है। अदालत के सामने इस पर रोक लगाने की गुहार लगाई गई थी।

इसके पक्ष में कई ऐसे प्रमाण भी दिए गए थे कि कहां-कहां कुल पड़े मतों और मशीनों में पड़े मतों की संख्या में अंतर पाया गया। विपक्षी दल इसे लेकर काफी आक्रामक थे और लगातार आशंका जाहिर कर रहे थे कि सत्तापक्ष मशीनों के जरिए मतदान प्रक्रिया को प्रभावित कर सकता है। इसमें कई स्वयंसेवी संगठन और विशेषज्ञ भी शामिल थे, जिनका दावा था कि ईवीएम को बाहर से संचालित किया जा सकता है।

हालांकि भारत निर्वाचन आयोग लगातार तर्क दे रहा था कि ईवीएम सौ फीसद सुरक्षित हैं और उनमें किसी प्रकार की गड़बड़ी की गुंजाइश नहीं है। इस मामले ने इतना तूल पकड़ लिया था कि आम मतदाता के भीतर भी यह भ्रम पैदा हो गया कि ईवीएम में गड़बड़ी करके कोई पार्टी अपने पक्ष में मतों की संख्या बढ़ा सकती है।

ईवीएम पर संदेह जाहिर करते हुए अदालत में गुहार लगाने वालों की मांग थी कि मतदान के बाद जो पर्ची कट कर बक्से में गिरती है उसे मतदाता के हाथ में दिया जाए और वह उसे खुद अलग बक्से में डाले। फिर मशीन के साथ ही उन पर्चियों का मिलान कर अंतिम रूप से मतों की गणना की जाए। मगर सर्वोच्च न्यायालय ने उस मांग को

खारिज कर दिया। दरअसल, इस तरह मतदान की गोपनीयता का उल्लंघन होने का खतरा था।

मगर इसमें अदालत ने निर्वाचन आयोग को निर्देश दिया है कि वह मशीनों में चुनाव चिह्न निर्धारित हो जाने के बाद उन्हें सीलबंद कर दे। उसने एक और रास्ता खोल दिया है कि अगर कोई प्रत्याशी किन्हीं मशीनों के बारे में शिकायत दर्ज कराता है, तो विशेषज्ञों से उनकी जांच कराई जाए। उस जांच का सारा खर्च संबंधित प्रत्याशी को उठाना पड़ेगा। इसे बहुत से लोग बड़ी राहत की बात मान रहे हैं। इस तरह गड़बड़ियों की जांच हो सकेगी। पर अब यह तो तय है कि ईवीएम को लेकर जिस तरह के भ्रम बने हुए थे, वे याचिकाकर्ताओं के मन से काफी हद तक दूर हो चुके होंगे। हालांकि यह पहला मौका नहीं था, जब ईवीएम पर संदेह जताते हुए अदालत में गुहार लगाई गई थी। इसके पहले भी कई मौकों पर इसे चुनौती दी गई थी। पिछले आम चुनाव के वक्त भी इस मसले को काफी तूल दिया गया था। हालांकि निर्वाचन आयोग ने बार-बार मशीन की निर्दोषिता सिद्ध करने की कोशिश की थी, पर उस पर किसी को विश्वास नहीं हो रहा था।

अब सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के बाद इस पर संदेह की कोई गुंजाईश नहीं रह गई है। राजनीतिक दलों को मशीन पर शक करने के बजाय मतदाताओं पर अधिक भरोसा करने की जरूरत है। मशीन पर शक करने से नाहक मतदाताओं के भीतर भ्रम पैदा हुआ है। हालांकि निर्वाचन आयोग को भी इसे हार-जीत की तरह नहीं लेना चाहिए, उसे ईवीएम को विश्वसनीय बनाए रखने के जो भी उपाय हो सकते हैं, उन्हें अपनाने में उसे गुरेज नहीं होना चाहिए।

सोशल मीडिया से...

पीएम मोदीने 5 अगस्त 2019 को काश्मीर से धारा 370 हटा दी। जब मैं बिल लेकर खड़ा हुआ तो राहुल बाबा खड़े हो गए और बोले- धारा 370 हटाई तो खून की नदियां बहेंगी। लेकिन, ये मोदी सरकार है। खून की नदियां बहने की बात तो छोड़ दीजिए, पांच सालों में किसी की पत्थर फेंकने तक की हिम्मत नहीं हुई।

अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

जब भी कांग्रेस, समाजवादी पार्टी या इंडी गठबंधन से जुड़े दूसरे दल चुनाव हार रहे होते हैं तब ये लगो हार का ठीकरा ईवीएम पर फोड़ने का प्रयास करते रहते हैं। जो लोग आज ईवीएम को नकार रहे हैं। वास्तव में यह वही लोग हैं जो पहले बैलेट पेपर लूटने का काम करते थे। कांग्रेस और उसके सहयोगी दल इस मुद्दे पर देश को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं।

योगी आदित्यनाथ, सीएम उप्र

मोदी सरकार और भ्रष्ट जनता पार्टी का पाखंड कोई सीमा नहीं रखता। डॉ. मनमोहन सिंह के कार्यकाल के दौरान उन्होंने हर किसी से कहा कि 2जी स्पेक्ट्रम का प्रशासनिक आवंटन एक घोटाला था। अब, वे इससे उलट तर्क दे रहे हैं। वे नीलामी के बिना, जिसे चाहें स्पेक्ट्रम देने की अनुमति के लिए सुप्रीम कोर्ट गए हैं।

जयराम रमेश, कांग्रेस महासचिव

पीएम मोदी अहंकारी है। उनके आस-पास रहने वाले लोग पीएम से डरते हैं। मोदी को कोई कुछ नहीं बोल सकता। हम सत्ता में रहे हैं, इसलिए समझते हैं। हमारे परिवार से दो-दो प्रधानमंत्री रहे हैं। जिस नेता में अहंकार होता है, उसका पतन निश्चित है।

प्रियंका गांधी वाड्रा, कांग्रेस महासचिव

आज का कार्टून

राजस्थान के रण में जीत भी मोदी की, हार भी मोदी की

भाजपा के केन्द्रीय नेतृत्व को भरोसा था कि मुख्यमंत्री भजनलाल ब्राह्मण मतदाताओं को, दीया कुमारी राजपूत मतदाताओं को और उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा दलित आदिवासी को साध लेंगे, लेकिन ऐसा करने में तीनों असफल रहे। पिछले दो लोकसभा चुनाव मे राजस्थान की 25 में से 22 सीटों पर जीत का मार्जिन बहुत अधिक था। इन सीटों पर इस बार मतदान कम हुआ है और जातिगत आधार पर हुआ है, जो मोदी के लिए चिंता की बात हो सकती है। राज्य में भाजपा की जीत का मार्जिन कम होने के साथ इस बार कुछ सीटें हाथ से निकल सकती हैं। सचिन पायलट के प्रभाव वाली दौसा सीट पर भी भाजपा फंसी है। मीणा और दलित बाहुल्य करौली धौलपुर सीट पर वसुंधरा की अनदेखी करने का असर दिखा है और कांग्रेस लड़ाई में दिख रही है। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला की सीट कोटा बूंदी में भाजपा के बागी और कांग्रेस से चुनाव लड़ रहे प्रहलाद गुंजल ने ओम बिड़ला को कड़ी टक्कर दी है।

समीर चौगांवकर

लोकसभा चुनाव के लिए दो चरणों में 190 सीटों के लिए मतदान संपन्न हो चुका है। देखा जाए तो दो चरण के बाद कुल लोकसभा सीटों की 35 प्रतिशत सीटों पर मतदान हो गया है जिसमें केरल, तमिलनाडु, उत्तराखंड और राजस्थान राज्यों की सभी सीटों पर मतदान पूरा हो चुका है। 370 सीटें जीतने का लक्ष्य लेकर चल रही भाजपा को तमिलनाडु और केरल से भले ही बहुत अधिक उम्मीद न हो लेकिन राजस्थान में उसने 25 की 25 सीटें जीतने का लक्ष्य रखा था। लेकिन मतदान पूरा हो जाने के बाद राजस्थान से जो समाचार आ रहे हैं वह निश्चित रूप से भाजपा के लिए राहत देने वाले नहीं है।

26 अप्रैल को राजस्थान में दूसरे चरण की 13 सीटों पर शाम 6 बजे तक 64.56 फीसदी मतदान हुआ। इस लिहाज से राजस्थान के दूसरे चरण में पहले चरण से ज्यादा मतदान हुआ है। पहले चरण में राजस्थान में 12 सीटों पर 57.87 फीसदी मतदान हुआ था और दोनो चरणों को मिलाकर कुल 61.60 प्रतिशत मतदान हुआ है। पिछले दो चुनाव 2014 और 2019 में भाजपा ने राजस्थान की सभी 25 सीटें जीत ली थी। भाजपा को कुछ माह पूर्व हुए विधानसभा चुनाव में अच्छे प्रदर्शन के बाद उम्मीद थी कि 2024 के लोकसभा चुनाव में वह तीसरी बार लगातार सभी 25 सीटें जीत जाएगी लेकिन हकीकत में ऐसा होता दिख नहीं रहा है।

टिकट वितरण में केन्द्र की मर्जी, वसुंधरा राजे जैसे प्रदेश के नेताओं को पूरी तरह नजरअंदाज करना और जातिगत समीकरण और स्थानीय नेताओं की आपसी खींचतान के बीच हुए मतदान के बाद भाजपा के लिए 4 से 5 सीटों पर कड़ी चुनौती दिख रही है। भाजपा के लिए इस बार राजस्थान में सभी 25 सीटें जीतना लगभग असंभव नजर आ रहा है।

राजस्थान में दो चरणों में हुए कम मतदान ने भी भाजपा की चिंता बढ़ा दी है। इस बार राजस्थान में मोदी मैजिक नहीं, जातियां निर्णायक भूमिका निभा रही हैं। राजस्थान की सबसे चर्चित सीट बाड़मेर जहां से निर्दलीय विधायक रवीन्द्र सिंह भाटी निर्दलीय मैदान में थे। भाटी के मैदान में आने से बाड़मेर का चुनाव जाट बनाम अन्य जातियों का चुनाव बन गया। इस सीट से रवीन्द्र सिंह भाटी निर्दलीय होते हुए भी जीत के दावेदार बन चुके हैं।

राजस्थान में इस बार राजपूत, जाट और दलित समाज ने उस तरह भाजपा को पूरा समर्थन नहीं दिया है जैसा पिछले दो लोकसभा चुनावों में मिलता रहा है। पहले चरण की झंझुनू, चुरू, सीकर, नागौर और दौसा जैसी सीटों पर भाजपा को जातिगत समीकरणों और दलबदलुओं के कारण कड़ी चुनौती मिल रही है। चुरू में भाजपा के सांसद रहे राहुल कस्वां ने टिकट कटने पर कांग्रेस से मैदान में उतरकर भाजपा के उम्मीदवार पैराओलपिंयन देवेन्द्र झाझड़िया को मुश्किल में डाल दिया है। नागौर में 2019 में हनुमान बेनीवाल ने भाजपा के साथ गठबंधन में कांग्रेस उम्मीदवार ज्योति मिर्धा को हराया था। इस बार मामला उलट गया और हनुमान बेनीवाल कांग्रेस के समर्थन से तो ज्योति मिर्धा भाजपा के टिकट से चुनावी मैदान में थे।

राजस्थान में संगठन के स्तर पर भी भाजपा का प्रदर्शन बेहद कमजोर नजर आया। विधानसभा चुनाव के

तुरंत बाद और लोकसभा चुनाव के तीन महीने पहले ही प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर का तबादला तेलंगाना कर दिया गया। प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी अपनी सीट चित्तौडगढ़ में बुरी तरह उलझ गए थे जिसके कारण वह प्रदेश में ध्यान नहीं दे सके। प्रदेश विधानसभा चुनाव से वसुधंरा राजे को नजरअंदाज करने का शुरू हुआ सिलसिला लोकसभा चुनाव में भी जारी रहा और वसुंधरा ने अपने बेटे की सीट झालावाड़ तक अपने आप को सीमित कर लिया था।

भाजपा के केन्द्रीय नेतृत्व को भरोसा था कि मुख्यमंत्री भजनलाल ब्राह्मण मतदाताओं को, दीया कुमारी राजपूत मतदाताओं को और उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा दलित आदिवासी को साध लेंगे, लेकिन ऐसा करने में तीनों असफल रहे। पिछले दो लोकसभा चुनाव मे राजस्थान की 25 में से 22 सीटों पर जीत का मार्जिन बहुत अधिक था। इन सीटों पर इस बार मतदान कम हुआ है और जातिगत आधार पर हुआ है, जो मोदी के लिए चिंता की बात हो सकती है। राज्य में भाजपा की जीत का मार्जिन कम होने के साथ इस बार कुछ सीटें हाथ से निकल सकती हैं।

सचिन पायलट के प्रभाव वाली दौसा सीट पर भी भाजपा फंसी है। मीणा और दलित बाहुल्य करौली धौलपुर सीट पर वसुंधरा की अनदेखी करने का असर दिखा है और कांग्रेस लड़ाई में दिख रही है। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला की सीट कोटा बूंदी में भाजपा के बागी और कांग्रेस से चुनाव लड़ रहे प्रहलाद गुंजल ने ओम बिड़ला को कड़ी टक्कर दी है। प्रहलाद गुंजल वसुंधरा के बेहद करीबी रहे हैं और कहा जा रहा है कि वसुंधरा की अनदेखी होते देखकर ही गुंजल ने चुनावी मैदान में ओम बिड़ला को चुनौती दी है।

भाजपा के लिए पिछले लोकसभा चुनाव में सबसे ज्यादा मार्जिन 6 लाख 12 हजार से जीतने वाली सीट भीलवाड़ा थी। कांग्रेस ने यहां से सीपी जोशी को उतारा है। सीपी जोशी की हार तय है लेकिन मार्जिन जरूर कम कर देगे। बांसवाड़ा सीट पर कांग्रेस की गहलोत सरकार में मंत्री रहे महेन्द्रजीत मालवीय को दलबदल करवा कर भाजपा ने अपनी टिकट दी थी लेकिन उनकी मुश्किल भारतीय आदिवासी पार्टी ने बढ़ा दी है। कांग्रेस ने इस सीट पर भारतीय आदिवासी पार्टी को समर्थन देने की घोषणा की थी। हालांकि कांग्रेस के प्रत्याशी ने पार्टी निर्देश के बाद भी यहां से अपना नामांकन वापस नहीं लिया और वह भी मैदान में डटा रहा।

अजमेर सीट पर कम मतदान ने भी भाजपा के लिए मुश्किल खड़ी कर दी है। जोधपुर सीट से केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत और अलवर से केन्द्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव की जीत की संभावना है। जालौर सिरोही सीट पर पूर्व सीएम अशोक गहलोत की प्रतिष्ठा दांव पर है। उनके बेटे वैभव गहलोत इस सीट से मैदान में है। 2019 में वैभव गहलोत जोधपुर से हार गए थे। इस बार सीट बदलने पर देखते हैं कि किस्मत भी बदलती है या इस बार भी उन्हें हार का सामना करना पड़ता है। हालांकि अशोक गहलोत ने बसपा उम्मीदवार को बेटे के समर्थन में बिठाकर जातिगत समीकरणों को भी साधने की पूरी कोशिश की है।

राजस्थान की 25 सीटों में से भाजपा श्रीगंगानगर, बीकानेर, जयपुर ग्रामीण, जयपुर, अलवर, भरतपुर, अजमेर, पाली, जोधपुर, उदयपुर, चित्तौड़गढ, राजसमंद, भीलवाडा, कोटा, झालावाड़ बांरा, टोंक, सवाई माधोपुर में मजबूत है, वहीं कांग्रेस झुंझुनू, चुरू, सीकर, करौली धौलपुर, दौसा, नागौर, बाड़मेर, जैसलमेर, जालौर सिरोही, बांसवाड़ा डूंगरपुर में भाजपा को कड़ी चुनौती दे रही है। राजस्थान विधानसभा चुनाव जिस तरह से प्रधानमंत्री मोदी ने अपने कंधों पर उठा रखा था, उसी तरह लोकसभा चुनाव भी मोदी ने अपने कंधों पर ले लिया था। लोकसभा चुनाव की घोषणा होने से पहले मोदी राजस्थान में 4 सभाएं कर चुके थे जबकि चुनाव की घोषणा होने के बाद सभी सीटों पर मतदान होने तक मोदी राजस्थान में कुल 8 चुनावी रैलियां कर चुके थे। अपनी रैलियों के जरिए मोदी ने राजस्थान की लगभग 23 लोकसभा सीटों को कवर किया है।

भैरो सिंह शेखावत के बाद भाजपा का चेहरा बनकर उभरी वसुंधरा राजे का अपने बेटे की सीट तक सीमित हो जाना मोदी शाह के लिए एक बड़ी चुनौती थी। आंतरिक खींचतान, टिकटों को लेकर असंतोष और कार्यकर्ताओं में कम उत्साह से हुए चुनाव के बाद भी अगर भाजपा राजस्थान की 25 सीटें जीतने में कामयाब हो जाती है तो इसका पूरा श्रेय मोदी को ही जाएगा। लेकिन अगर इन सीटों में कमी आती है तो इसका जिम्मा भी मोदी के कंधों पर ही डाला जाएगा। राजस्थान में जीत भी मोदी की होगी और हार भी हुई तो मोदी की ही होगी।

तीसरे चरण में राजनीति के तीरंदाज मैदान में

देवदत्त दुबे

तीसरे चरण में प्रदेश की सबसे हॉट सीट राजगढ़ लोकसभा मानी जा रही है जहां प्रदेश के 10 वर्षों से मुख्यमंत्री रहे कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष रहे दिग्विजय सिंह चुनाव मैदान में है जबकि भाजपा ने रोडमल नागर को चुनाव मैदान में उतारा है।

यह भी दिलचस्प है कि दोनों उम्मीदवार इस सीट से दो-दो बार सांसद रह चुके हैं दोनों के बीच पहला मुकाबला है अब 4 जून को तय होगा कि इनमें तीसरी बार सांसद कौन बनेगा वैसे तो कभी कांग्रेस की सीट मानी जाती थी राजगढ़ लेकिन पिछले कुछ वर्षों से यह भाजपा के कब्जे में है लेकिन जिस तरह से कांग्रेस ने पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह को मैदान में उतार दिया है उससे इस सीट पर मुकाबला रोचक हो गया है भाजपा को जहां मोदी लहर का सहारा है वही कांग्रेस को दिग्विजय सिंह की क्षमताओं का भरोसा है दिग्विजय सिंह मतदाताओं के बीच पदयात्रा कर चुके हैं और अब आखिरी चुनाव की दुहाई देकर वोट मांग रहे हैं बुढ़ापे में लाज रख लेना जैसा संदेश मतदाताओं के बीच पहुंचा जा रहा है साथ ही उनके प्रदेश भर के समर्थक भी राजगढ़ में जगह-जगह मोर्चा संभाल रहे हैं लेकिन शुक्रवार को भाजपा के सबसे बड़े रणनीतिकार और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने राजगढ़ में जिस तरह से हुंकार भरी है। और कहां की यहां बंटाधार करना है क्या दिग्गी राजा के साथ बंटाधार शब्द जुड़ गया है उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि इन्हें राजनीति से परमानेंट विदाई देने का दिग्विजय की विदाई आपको करना है आशिक का जनाजा है जरा धूम से निकले सम्मान जैसी लीड से हराकर उनकी विदाई करना उन्हें घर पर बैठने का काम राजगढ़ वाले करें यही कहने आया हूं अमित शाह की सभा के बाद राजगढ़ में भाजपा और कांग्रेस के बीच आरोप प्रत्यारोप का दौर बढ़ गया है तीसरे चरण की दूसरी महत्वपूर्ण सीट विदिशा है जहां से सर्वाधिक समय तक प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे शिवराज सिंह चौहान चुनाव मैदान में है और उनका मुकाबला कांग्रेस के प्रताप भानु शर्मा से है दोनों ही उम्मीदवार विदिशा सीट से सांसद रह चुके हैं शिवराज सिंह चौहान जहां लगातार सक्रिय राजनीति में बने रहे और विदिशा से हमेशा जुड़े रहे वही प्रताप भानु शर्मा पिछले दो दशक से किसी महत्वपूर्ण पद पर नहीं रहे और ना ही बीच में कोई चुनाव लड़े इस कारण उन्हें चुनाव मैनेजमेंट में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है जबकि शिवराज सिंह चौहान के लिए विदिशा का चुनाव रिकॉर्ड बनाने का चुनाव माना जा रहा है शिवराज सिंह चौहान किसी भी प्रकार के अति आत्मविश्वास में ना रहते हुए टिकट घोषित होने के बाद से ही विदिशा क्षेत्र में सक्रिय है। बहुत कम समय के लिए वह प्रदेश की अन्य सीटों पर गए हैं पत्नी साधना सिंह और पुत्र कार्तिकेय भी चुनाव प्रचार में जुटे हुए हैं।?इसी तरह गुना लोकसभा क्षेत्र में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया इस बार भाजपा उम्मीदवार के रूप में चुनाव मैदान में है 2019 के लोकसभा चुनाव में एक कांग्रेस प्रत्याशी थे और केपी यादव से चुनाव हार गए थे लेकिन इस बार सिंधिया किसी भी प्रकार की रिस्क नहीं ले रहे हैं और पूरे समय गुना शिवपुरी क्षेत्र में सक्रिय है उनके समर्थक भी क्षेत्र में डेरा डाले हुए हैं पत्नी और पुत्र भी प्रचार अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं कांग्रेस में यहां जातीय समीकरणों के तहत राव यादवेंद्र सिंह को मैदान में उतारा है जिससे कि यादव वोट थोक में मिल सके। सागर लोकसभा सीट पर भाजपा ने भाजपा महिला मोर्चा की पूर्व प्रदेश अध्यक्ष लता वानखेड़े को चुनाव मैदान में उतारा है वहीं कांग्रेस ने उनके मुकाबले के लिए ललितपुर के गुड्डू राजा बुंदेला को प्रत्याशी बनाया है सागर की आठ विधानसभा सीटों में से सात पर भाजपा के विधायक हैं और सभी विधायकों को अपने-अपने विधानसभा क्षेत्र में बढ़त बनाने के लिए कहा गया है लता वानखेड़े के समर्थन में महिलाओं की अधिकतम वोट साधने की भाजपा की रणनीति है मुरैना लोकसभा सीट पर भाजपा के शिवमंगल सिंह के खिलाफ कांग्रेस में पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष पूर्व विधायक सत्यपाल सिंह को मैदान में उतारकर मुकाबले को रोचक बना दिया है। वही भिंड लोकसभा में सांसद संध्या राय को भाजपा ने दूसरी बार टिकट दिया है तो वहीं कांग्रेस ने बसपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और भाडेर से विधायक फूल सिंह बरैया को मैदान में उतारा है यहां भी जाति समीकरणों के चलते मुकाबला रोचक हो गया है वही ग्वालियर में भाजपा ने जहां पूर्व मंत्री भारत सिंह कुशवाहा को मैदान में उतारा है वहीं कांग्रेस ने पूर्व विधायक प्रवीण पाठक को टिकट देकर मुकाबला को जातिय आधार पर कर दिया है तीसरे चरण में ही राजधानी भोपाल में चुनाव होने जा रहा है जो भाजपा का गढ़ बन चुका है। 2019 के लोकसभा चुनाव में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह को साध्वी प्रज्ञा सिंह ने साढे तीन लाख वोटो से मात दी थी भाजपा ने इस बार पूर्व महापौर आलोक शर्मा को टिकट दिया है तो कांग्रेस ने पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष और अधिवक्ता अरुण श्रीवास्तव को मैदान में उतर कर नई जाति समीकरण के सहारे चुनाव लड़ने की रणनीति बनाई है जिसमें कायस्थ समाज और अल्पसंख्यक वर्ग को साधा जा रहा है साथ ही कांग्रेस ग्रामीण क्षेत्र पर भी जोर दे रही है हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का रोड शो हो चुका है इसके बाद भाजपा में सक्रियता बड़ी है।? कुल मिलाकर प्रदेश में तीसरे चरण की चुनावी तैयारियां तेज हो गई हो 7 मई को होने वाले आठ लोकसभा क्षेत्र के चुनाव में प्रदेश की राजनीति के दिग्गज नेताओं के भाग्य का फैसला होना है इस कारण भी तीसरा चरण रोचक चरण माना जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

टॉप-10 कंपनियों में 6 की वैल्यू 1.30 लाख करोड़ बढ़ी

मुंबई एजेंसी। बीते कारोबारी हफ्ते मार्केट कैपिटलाइजेशन के लिहाज से देश की टॉप-10 कंपनियों में से 6 का मार्केट कैप कंबाइंड रूप से 1,30,734.57 करोड़ (1.30 लाख करोड़) बढ़ा है। इस दौरान स्टेट बैंक ऑफ इंडिया मार्केट का टॉप गेनर रहा है। कंपनी का मार्केट कैप 45,158 करोड़ बढ़कर 7.15 लाख करोड़ हो गया है। इसके अलावा, आइसीआइसीआइ बैंक और भारती एयरटेल का मार्केट कैप भी 28,726.33 करोड़ और 20,747.99 करोड़ बढ़कर 7.78 लाख करोड़ और 7.51 लाख करोड़ हो गया है। वहीं, टॉप-10 में 4 कंपनियों के मार्केट वैल्यू में कंबाइंड रूप से 50,295 करोड़ की गिरावट देखने को मिली है। देश की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की मार्केट वैल्यू 26,115.56 करोड़ गिरकर 19.64 लाख करोड़ रह गई है। रिलायंस के साथ एचडीएफसी बैंक, टीसीएस और हिंदुस्तान यूनिलीवर के मार्केट वैल्यू में गिरावट रही है। पिछले हफ्ते शेयर बाजार में 641.83 अंक या 0.87 प्रतिशत की बढ़ोतरी रही थी। वहीं, हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार 26 अप्रैल को शेयर बाजार में गिरावट देखने को मिली थी। सेंसेक्स 609 अंक की गिरावट के साथ 73,730 के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी में भी 150 अंक की गिरावट देखने को मिली, ये 22,419 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 23 में गिरावट और 7 में तेजी देखने को मिली।

केंद्रीय कर्मचारियों को चुनाव खत्म होते ही मिलेगा बड़ा सरप्राइज!

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप केंद्रीय कर्मचारी हैं तो ये खबर आपके काम की है। दरअसल, लोकसभा चुनाव खत्म होने के बाद केंद्रीय कर्मचारियों को बड़ा तोहफा मिलने वाला है। कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में इजाफा होगा तो 8वें केंद्रीय वेतन आयोग के गठन पर भी विचार हो सकता है। बता दें कि 4 जून को लोकसभा चुनाव के नतीजे आने वाले हैं।

सातवें वेतन आयोग की सिफारिश के मुताबिक केंद्रीय कर्मचारियों के महंगाई भत्ते यानी डीए में साल की 2 छमाही में बढ़ोतरी होनी चाहिए। इसी के तहत केंद्र की सरकार हर साल जनवरी से जून और जुलाई से दिसंबर तक की 2 छमाही में डीए बढ़ोतरी करती है। साल 2024 की पहली छमाही के डीए में बढ़ोतरी हो चुकी है। यह बढ़ोतरी 4 फीसदी की हुई थी। अब केंद्रीय कर्मचारियों की जुलाई छमाही के भत्ते की बढ़ोतरी का इंतजार है। वैसे तो जुलाई से दिसंबर छमाही के भत्ते में बढ़ोतरी का ऐलान सितंबर या अक्टूबर तक होता है लेकिन यह प्रभावी जुलाई महीने से ही हो जाता है। कहने का मतलब है कि एक जुलाई से भत्ता बढ़ा जाएगा। अभी केंद्रीय कर्मचारियों का भत्ता 50 फीसदी है। अगर आगामी छमाही में बढ़ोतरी 4 फीसदी की होती है तो भत्ता 54 फीसदी हो जाएगा। वहीं, 3 फीसदी होने की स्थिति में भत्ता 53 फीसदी रह जाएगा। कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग के तहत कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय ने 8वें केंद्रीय वेतन आयोग के गठन के संबंध में भारतीय रेलवे तकनीकी पर्यवेक्षक संघ से व्यय विभाग को एक पत्र भेजा है। एक केंद्रीय वेतन आयोग आमतौर पर दस साल के अंतराल पर गठित किया जाता है। हालांकि, नरेंद्र मोदी सरकार सदन में बता चुकी है कि 8वें केंद्रीय वेतन आयोग के गठन का कोई प्रस्ताव नहीं है। लेकिन इस नए अपडेट के बाद यह माना जा रहा है कि नई सरकार इस प्रस्ताव पर गंभीरता से आगे बढ़ेगी।

सिर्फ 21 साल की उम्र में शुरू की कंपनी, 4 साल में करोड़ों का कारोबार

नई दिल्ली, एजेंसी। आज हम आपको ऐसी लड़की से मिलाते हैं जिसने सिर्फ 21 साल की उम्र में कंपनी शुरू कर दी थी। वह यूपी के आगरा से ताल्लुक रखती हैं। उनका नाम है हरितिमा मिश्रा। महज 18 साल की उम्र में उन्होंने बिजनेसवुमन बनने का सपना देखना शुरू कर दिया था। हरतिमा ने अपने भाई शिवम मिश्रा और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी से ग्रेजुएट स्नेह वर्मा के साथ 2020 में एटीट्यूडिस्ट की नींव रखी थी। यह कंपनी ऐसे जूते बनाती है जिसमें जानवरों को नुकसान नहीं पहुंचाया जाता है। इस कंपनी का मकसद फैशन इंडस्ट्री में टिकाऊ और क्रूरता-मुक्त प्रथाओं को बढ़ावा देना है। एटीट्यूडिस्ट वेगन लेदर फुटवियर ब्रांड है।

क्या बनाता है कंपनी को अलग

हरितिमा मिश्रा ने अपने भाई शिवम मिश्रा और भाभी स्नेह वर्मा के साथ 2020 में वेगन लेदर शू कंपनी की शुरुआत की थी। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ

फैशन टेक्नोलॉजी से ग्रेजुएट स्नेह वर्मा की विशेषज्ञता ने कंपनी की सफलता में अहम भूमिका निभाई। वेगन लेदर शूज के कॉन्सेप्ट ने कारीगरों और ग्राहकों दोनों को समान रूप से प्रभावित किया। इसमें जानवरों को नुकसान नहीं पहुंचाया जाता है। न ही जानवरों के चमड़े का इस्तेमाल होता है। एटीट्यूडिस्ट को अलग करने वाले प्रमुख फैक्टर्स में से एक लोगों को सशक्त बनाने और पूरी सप्लाई चेन में टिकाऊ प्रथाओं को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता है।

पहले मेडिकल में करियर बनाना चाहती थीं

हरितिमा ने शुरुआत में मेडिकल फील्ड में करियर बनाने की सोची थी। लेकिन, उन्हें जानवरों के चमड़े से जुड़ी नैतिक चिंताओं के साथ इंडस्ट्री में कारीगरों के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करने के लिए मजबूर होना पड़ा। उनकी कंपनी बिना किसी मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट के ऑपरेट करती है। उत्पादों को तैयार करने और ग्राहकों तक भेजने में लगभग 20 दिन लगते हैं। रिटर्न रेट लगभग 3-5 फीसदी होता है।

कारीगरों के साथ गठजोड़

कंपनी का 100 से ज्यादा कारीगरों के साथ कोलैबरेशन है। सीईओ के रूप में हरितिमा मिश्रा ने सप्लाई चेन में टिकाऊ प्रथाओं को शामिल किया है। एटीट्यूडिस्ट ने सफलतापूर्वक तीन लाख से ज्यादा ग्राहकों को सेवा प्रदान की है। पिछले वित्त वर्ष में कंपनी ने 25 करोड़ रुपये का रेवेन्यू दर्ज किया है।

आगे क्या है टारगेट

हरितिमा मिश्रा के आगे के भी टारगेट साफ हैं। उनका लक्ष्य वर्ष 2025 तक 50 करोड़ रुपये की बिक्री हासिल करने का है। आगे विस्तार की भी योजना है। एटीट्यूडिस्ट की सीईओ ऐसे भविष्य की कल्पना करती हैं जहां हाई क्वालिटी शूज पर्यावरण के प्रति जागरूक मूल्यों के साथ अडजस्ट हों। साथ ही ये किफायती दामों पर मिलें।

80 तक जाएगा कंस्ट्रक्शन कंपनी पटेल इंजीनियरिंग का शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। कंस्ट्रक्शन से जुड़ी कंपनी पटेल इंजीनियरिंग लिमिटेड के शेयर सुस्त नजर आ रहे हैं लेकिन एक्सपर्ट इसको लेकर बुलिश हैं। बीते शुक्रवार को यह शेयर 64.55 रुपये पर बंद हुआ। वहीं, एक्सपर्ट का अनुमान है कि शेयर की कीमत 80 रुपये तक जा सकती है। बता दें कि पटेल इंजीनियरिंग ने हाल ही में एक योग्य संस्थागत प्लेसमेंट (क्यूआईपी) इश्यू भी लॉन्च किया है। योग्य संस्थागत प्लेसमेंट (क्यूआईपी) इश्यू के लिए प्रति शेयर 59.50 रुपये का न्यूनतम मूल्य निर्धारित किया गया है। बीते दिनों एक नियामक फाइलिंग में कंपनी ने कहा कि बोर्ड की आवंटन समिति ने 22 अप्रैल को हुई बैठक में इश्यू खोलने की मंजूरी दी। कंपनी ने फरवरी में एक बोर्ड बैठक में योग्य संस्थागत खरीदारों को इक्विटी शेयर जारी करके पैसे जुटाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। प्रस्ताव को 8 मार्च, 2024 को शेयरधारकों की मंजूरी मिल गई।

क्या है ब्रोकरेज का अनुमान

ब्रोकरेज आइसीआइसीआइ डायरेक्ट और हेम सिक्योरिटीज, दोनों का अनुमान है कि पटेल इंजीनियरिंग के शेयर 80 रुपये तक जा सकते हैं। इन दोनों ब्रोकरेज ने शेयर को खरीदने की सलाह दी है। आइसीआइसीआइ डायरेक्ट ने कहा कि कंपनी को दिसंबर तिमाही तक 19134 करोड़ (रु ऑर्डर सहित) की ऑर्डर बुक मिला है। हमें उम्मीद है कि चुनाव नतीजे के बाद कंपनी के ऑर्डर की स्पीड बढ़ेगी। आपको बता दें कि शेयर के 52 हफ्ते का हाई 79 रुपये है। यह भाव फरवरी 2024 में गया था। वहीं, शेयर अप्रैल 2023 में 19.50 रुपये के भाव तक लुढ़क गया था।

एमपी बोर्ड 10वीं परीक्षा परिणाम में ज्ञान आलोक हा. से. स्कूल के छात्र रोहन कुंवारे ने इंदौर जिले में तीसरा स्थान प्राप्त किया

इंदौर। गत दिनों माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा घोषित किए गए कक्षा 10वीं के परीक्षा परिणाम में जिले की कुछ स्कूलों ने बेहतर प्रदर्शन किया। वहीं कुछ स्कूलों का परीक्षा परिणाम अव्वल रहा जिनमे से एक स्कूल है ज्ञान आलोक हा. से. स्कूल जो कि कबीरखेड़ी क्षेत्र में आता है। यहाँ के सभी उत्तीर्ण विद्यार्थियों ने स्कूल का गौरव बढाया। चर्चा के दौरान विद्यालय के प्राचार्य राजेंद्र सांगले ने कक्षा 10वीं के छात्र रोहन कुवारे के विषय में बताया कि छात्र रोहन 500 अंक में से 481 अंक अर्जित कर उत्तीर्ण हुआ है। प्रतिभाशाली छात्र रोहन ने विद्यालय के साथ साथ अपने सभी शिक्षको एवं अपने परिवार का मान बढ़ाया है। विद्यालय के प्राचार्य सांगले ने अपनी एवं विद्यालय की ओर से रोहन के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए बधाई प्रेषित की।

एक ही पॉलिसी में मिलेगा लाइफ, हेल्थ और प्रॉपर्टी का बीमा!

नई दिल्ली, एजेंसी। जल्द ही कई तरह के इंश्योरेंस यानी बीमा का लाभ एक ही पॉलिसी में मिलेगा। इसे 'बीमा विस्तार' नाम दिया जा सकता है। इस एक ही पॉलिसी में लाइफ, हेल्थ, प्रॉपर्टी और पर्सनल एक्सिडेंट कवर मिलेगा। फैमिली फ्लोटर यानी एक पॉलिसी में सभी घरवालों को बीमा कवर का फायदा भी होगा। बीमा रेगुलेटर इरडा ने हाल में हैदराबाद में इस पॉलिसी पर बीमा कंपनियों के साथ मंथन किया है। इंडस्ट्री के सूत्रों के मुताबिक, इसका प्रीमियम 1500 रुपये प्रति पॉलिसी के आसपास तय किया जा सकता है। इस 'बीमा विस्तार' पॉलिसी का मकसद गांवों समेत देश की ज्यादा से ज्यादा आबादी तक बीमा मुहैया कराना है।

हैदराबाद में इरडा चीफ देबाशीष पंडा की अध्यक्षता में हुई बैठक में 'बीमा विस्तार' की डिटेल्स सामने रखी गईं। सूत्रों ने बताया कि लाइफ, प्रॉपर्टी और पर्सनल एक्सिडेंट के मामले में 2-2 लाख रुपये का बीमा कवर मिल सकता है। 'हॉस्पिटल कैश' के नाम से हेल्थ कवर भी होगा। इसमें 10 दिनों के लिए अधिकतम 5000 रुपये तक के बिल का कैशलेस भुगतान बिना दस्तावेज जमा किए क्लेम किया जा सकेगा। लाइफ कवर का प्रीमियम 800 रुपये के करीब हो सकता है। वहीं, 500 रुपये में हेल्थ कवर और 100 रुपये के प्रीमियम में पर्सनल एक्सिडेंट कवर मिल सकता है। प्रॉपर्टी कवर का प्रीमियम 100 रुपये से कम रखा जा सकता है।

हर बीमा के लिए क्लेम सेटलमेंट अलग-अलग

बीमा विस्तार पॉलिसी में अलग-अलग सेगमेंट्स के लिए क्लेम सेटलमेंट का तरीका अलग हो सकता है, जिसे बीमा कंपनियां तय करेंगी। इस पॉलिसी को बेचने वाले एजेंटो को 10 प्रतिशत कमिशन दिया जा सकता है। इरडा काफी समय से बीमा सुगम, बीमा विस्तार और बीमा वाहक के रूप में बीमा त्रयी पेश करने की तैयारी में है। डिजिटल प्लैटफॉर्म 'बीमा सुगम' को इरडा ने पिछले महीने मंजूरी दी थी। यह हर तरह की बीमा पॉलिसी खरीदने, बेचने और क्लेम सेटल करने के लिए ऑनलाइन इंश्योरेंस मार्केटप्लेस की तरह काम करेगा।

Life in an IIT | Student with muscular dystrophy ready to take on any new challenge that comes her way

'IIT Guwahati has transformed my life by greatly boosting my confidence,' says Mehar Khatoon

I was into sports and extracurricular activities in childhood and led an active life but then muscular dystrophy struck when I was 12, and now I am in wheelchairs. Although I can perform tasks including everyday chores but cannot do as much as a normal person does. I need more time as my muscles feel weak and need support. I am 23 years old now.

I enrolled for my BTech at the Jawaharlal Nehru Technological University Hyderabad (JNUTH). I graduated in 2022. After my BTech, I dedicated a year to preparing for the GATE examination. In 2023, I joined the MTech Data Sciences batch at IIT Guwahati after qualifying for GATE in computer science. I am in my first year now. I was in school when my muscles started to feel weak and my parents and I were unable to figure out what was wrong with me. We went to the doctor, and he asked us to get some tests done, the reports of which came normal. But I told him that I felt weak and low on energy, the doctor then performed some more tests and concluded that I have muscular dystrophy. It took my parents some time to accept the fact that my health would deteriorate over time. As far as I am concerned, I am still trying to accept my condition. I stopped going to family functions because people there including my relatives would feel pity for me, say things that would hurt me, or just react in a way that felt so demeaning.

My journey in engineering started after Class 12 when my fascination for technology developed, and I enrolled in JNTUH.

Initial struggle at IIT Guwahati

I am from Hyderabad. Although I was staying in a hostel at JNTUH, my parents were nearby. But that is not the case in IIT Guwahati. However, the dean, faculty, staff, and my classmates have never disappointed me. The dean has always been very supportive from the beginning of my stay here at the campus. The food at the campus mess is entirely different from what we get in my home state. It took me some time to adjust but the mess here has options for students with preferences for different palates.

What my day looks like

My day usually begins early in the morning with breakfast, followed by classes from 8 am. Then I return to the hostel for lunch and go back for the remaining classes, if there are any. Once the classes are over, I come back to my room and either relax or study. I generally do not hang out with friends because I was bullied owing to my condition during my childhood. I usually prefer attending workshops or enjoying my own company during my free time at IIT Guwahati.

टूटेंगे सारे रिकॉर्ड, सबसे महंगी होगी अनंत अंबानी की शादी

नई दिल्ली, एजेंसी। अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी का लोगों को बेसब्री से इंतजार है। यह शादी जुलाई में होनी है। इसकी तैयारी जोर-शोर से जारी है। इस तरह की खबरें हैं कि यह शादी लंदन में अंबानी परिवार के आलीशान स्टोक पार्क एस्टेट में हो सकती है। मार्च में गुजरात के जामनगर में प्री-वेडिंग सेलिब्रेशन हुआ था। 1 से 3 मार्च तक चले इस प्री-वेडिंग सेलिब्रेशन में देश-दुनिया की जानी-मानी हस्तियों ने शिरकत की थी। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, तीन दिनों के कार्यक्रम पर एक अनुमान से करीब 1,260 करोड़ रुपये खर्च हुए थे। ऐसे में अब माना जा रहा है कि शादी का खर्च इस आंकड़े को भी पार करेगा। यह 1200-1500 करोड़ रुपये के बीच हो सकता है। अनंत मुकेश और नीता अंबानी के सबसे छोटे बेटे हैं।

प्री-वेडिंग सेलिब्रेशन में थी मेहमानों की लंबी फेहरिस्त

प्री-वेडिंग सेलिब्रेशन में मेहमानों की लंबी फेहरिस्त थी। इनमें ग्लोबल टेक दिग्गज, बॉलीवुड की मशहूर हस्तियां और राजनेता शामिल हुए थे। पॉप स्टार रिहाना ने भी कार्यक्रम में शिरकत की थी। बताया जाता है कि दो घंटे के परफॉर्मेंस के लिए उन्होंने 60 लाख डॉलर (करीब 50 करोड़ रुपये) की फीस ली थी।

शादी का खर्च 1200-1500 करोड़ रुपये रहने के आसार

मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, तीन दिवसीय कार्यक्रम पर कुल अनुमानित खर्च 1,260 करोड़ रुपये था। इसमें से एक बड़ा हिस्सा अकेले कैटरिंग में गया था। यह 200 करोड़ रुपये होने के आसार हैं। फोर्ब्स की रिपोर्ट के अनुसार, यह खर्च अंबानी परिवार की लाइफस्टाइल को दर्शाता है। मुकेश अंबानी एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति हैं। उनकी संपत्ति 116 अरब डॉलर से ज्यादा है। प्री-वेडिंग सेलिब्रेशन पर हुए खर्च के बाद शादी को लेकर उम्मीदें और बढ़ गई हैं। अनुमान है कि शादी का खर्च 1200-1500 करोड़ हो सकता है। शादी का मुख्य समारोह लंदन और संगीत/कॉकटेल पार्टी के अबू धाबी में आयोजित होने के आसार हैं।

10 डिविडेंड देगा प्राइवेट सेक्टर का आरबीएल बैंक

नई दिल्ली, एजेंसी। बीते वित्त वर्ष की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च, 2024) में प्राइवेट सेक्टर के आरबीएल बैंक का नेट प्रॉफिट 30 प्रतिशत उछाल के साथ 353 करोड़ रुपये रहा है। आरबीएल बैंक ने बताया कि उसके मुनाफे में यह उछाल गैर-ब्याज आमदनी बढ़ने से हुआ। वित्त वर्ष 2022-23 की समान तिमाही में बैंक का नेट प्रॉफिट 271 करोड़ रुपये रहा था। बैंक ने डिविडेंड 1.50 रुपये देने का ऐलान है।

क्या है बैंक की वित्तीय स्थिति

आरबीएल बैंक की मूल ब्याज आय 18 प्रतिशत बढ़कर 1600 करोड़ रुपये हो गई, इसमें कर्ज वितरण में 20 प्रतिशत वृद्धि हुई। मार्च तिमाही में बैंक की अन्य आमदनी 30 प्रतिशत बढ़कर 875 करोड़ रुपये रही। इसके एमडी आर सुब्रमण्यकुमार ने कहा कि उन्हें लगता है कि आगे भी 20 प्रतिशत के दायरे में प्रगति जारी रहेगी। चुनौतीपूर्ण बाजार में भी बैंक की जमा वृद्धि 22 प्रतिशत रही।

कैसे रहे तिमाही नतीजे

आइसीआइसीआइ बैंक की बात करें तो बीते वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में प्रॉफिट 18.5 प्रतिशत बढ़कर 11,672 करोड़ रुपये रहा है। बैंक के प्रॉफिट में इतनी वृद्धि कम प्रावधानों के कारण हुई। वित्त वर्ष 2022-23 की समान तिमाही में बैंक का प्रॉफिट 9,853 करोड़ रुपये रहा था। बैंक की मूल शुद्ध ब्याज आमदनी 8.1 प्रतिशत बढ़कर 19,093 करोड़ रुपये रही। इसमें कर्ज में 16.8 प्रतिशत वृद्धि और शुद्ध ब्याज मार्जिन 4.90 प्रतिशत से घटकर 4.40 प्रतिशत रह गया। बैंक का प्रावधान मार्च तिमाही में आधे से ज्यादा घटकर 718 करोड़ रुपये रह गया। भारी प्रतिस्पर्धा के बीच बैंक की जमा में 19 प्रतिशत की वृद्धि हुई। बैंक के बोर्ड ने प्रति शेयर 10 रुपये के डिविडेंड की सिफारिश की है।

कर्ज पर लिया यह फैसला

असुरक्षित कर्ज पर भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा चिंता जताए जाने के कुछ महीनों बाद बैंक के कार्यकारी निदेशक संदीप बत्रा ने कहा कि इसने व्यक्तिगत ऋण वृद्धि को घटाकर 32.5 प्रतिशत कर दिया, जो पहले 37 प्रतिशत था, जबकि क्रेडिट कार्ड बकाया में वृद्धि 35.6 प्रतिशत रही।

मशरूम उगायें

आयस्टर मशरूम की उत्पादन तकनीक को निम्न 4 भागों में बांट सकते हैं।

- मशरूम स्पान (बीज) उत्पादन
- माध्यम का उपचार
- माध्यम में स्पान मिश्रण
- मशरूम फसल प्रबंध

मशरूम स्पान (बीज) उत्पादन

आयस्टर मशरूम स्पान प्रमाणित प्रयोगशालाओं से ही प्राप्त करें स्पान बीज देखने में एकदम सफेद रेशेदार फफूंद से घिरा हो। यदि थैली के अंदर काले मटमैले या गहरे पीले धब्बे बनते हैं तो ऐसे बीज संक्रमित बीज होता है। इस प्रकार के बीज का चयन नहीं करना चाहिए. स्पान संभवत: ताजा हो, अधिक पुराना (1.5-2 माह) स्पान प्रयोग नहीं करना चाहिए.

माध्यम का उपचार

उपयुक्त माध्यम के रूप में धान की पैरा कुट्टी, गेहूं का भूसा या गेहूं+सोयाबीन का भूसा प्रयोग किया जा सकता है. इन माध्यमों को फसल कटाई के पश्चात अच्छे से सुखाना चाहिए माध्यम को ड़ेढ़ से दो इंच लम्बाई का काट ले फिर इस पैरे या गेहूं के भूसे को 14 घंटे के लिये स्वच्छ जल में भिगोकर रख दें। भूसे को निथारते हुए साफ-सुथरी ढलान वाली पक्की फर्स पर बिछाकर रखें।

माध्यम का निर्जीवीकरण

गर्म पानी द्वारा - उबले पानी में तैयार माध्यम को आधा घंटे तक भिगोकर रखें।

रसायन द्वारा- 10 किलो सूखा पैरा या गेहूं के भूसे को 100 लीटर पानी जिसमें 7.5 ग्रा. बाविस्टीन एवं 135 मि.ली. फार्मेलिन मिला हो इस पानी में 18-20 घंटे तक भिगोकर रखें.

माध्यम से स्पान मिश्रण

माध्यम में स्पान मिश्रण की अनेक विधियां हैं। जिसमें सम्पूर्ण मिश्रण विधि, तह विधि एवं समूह में दाने मिश्रण विधि प्रमुख हैं। इन तीनों विधियों में प्रथम दो विधि से स्पान मिश्रण प्राय: किया जाता है। स्पान को विभिन्न प्रकार की पारदर्शी थैलियों में भरा जाता है एवं इसे मशरूम उत्पादन कक्ष में स्थानान्तरित किया जाता है।

मशरूम फसल प्रबंधन

मशरूम फसल प्रबंधन मशरूम उत्पादन का सबसे महत्वपूर्ण पहलू है. स्पान मिश्रित थैलियों को 15-20 दिन के लिये ऐसे कक्ष में रखा जाता है जहां मशरूम फफूंद की वानस्पतिक वृद्धि के लिये थोड़ा अधिक तापक्रम (28-30 डिग्री से.ग्रे.)होता है। 12 से 15 दिनों में मशरूम स्पान संपूर्ण माध्यम में फैल जाता है जिससे माध्यम सफेद दूधिया रंग का दिखाई देने लगता है। इस अवस्था में थैलियों से पालीथिन फाड़कर अलग कर दें। पॉलीथिन हटाने के पश्चात मशरूम के कवकजाल से सम्पूर्ण माध्यम एक पिंडनुमा संरचना बन जाता है। पॉलीथिन हटाने 3-4 दिन पश्चात फफूंद की पिन हेड अवस्था दिखाई देने लगती है जिसमें छोटे-छोटे सफेद दाने माध्यम में दिखाई देते है। ये दाने 7 दिन में बढ़कर संपूर्ण छत्तानुमा संरचना बना लेते हैं।

तुड़ाई

जब ये छत्तानुमा संरचना के किनारे अंदर की ओर मुड़ने लगे तब हल्का सा मोड़कर इसकी तुड़ाई कर लेते हैं। पहली फसल 22-25 दिन में प्राप्त हो जाती है। दूसरी और तीसरी फसल क्रमशः 5-7 दिन के अंतराल से प्राप्त हो जाती है इस तरह एक फसल चक्र में 45-50 दिन लग जाते हैं एवं 4-5 फसलें जुलाई से मार्च माह तक ली जा सकती है। मशरूम की एक फसल में 1 कि.ग्रा. सूखा माध्यम से 600 से 800 ग्राम ताजा मशरूम मिल जाता है।

आयस्टर मशरूम उत्पादन तकनीक

- 10 कि.ग्रा. सूखा पैरा कुट्टी या गेहूं का भूसा लें।
- 100 लीटर पानी जिसमें 7.5 ग्राम बाविस्टीन (75 पीपीएम)+125 मि.ली. फार्मेलिन (500 पीपीएम), 10-16 घंटे भिगायें।
- भूसे से पानी निकालकर इतना सुखाना है ताकि गीला भूसा का वजन सूखे भूसे की तुलना में 2.5 से 3 फीसदी बढ़ जाये (68-70 प्रतिशत नमी)।
- स्वच्छ जगह में गीले भूसे में 30 ग्राम प्रति किलो कुट्टी के हिसाब से मशरूम स्पान मिलायें।
- स्पान मिश्रित पैरा कुट्टी को प्लास्टिक थैली में 4 किलो कुट्टी प्रति थैली के हिसाब से दबाकर भरें।
- थैली भरते समय थैली का एक चौथाई भाग खाली रखना है एवं थैली के निचले दोनों किनारों पर 5-7 छिद्र करें।
- थैली को ठंडे स्थान में लककियों की रेकों में रखें या सुतली के माध्यम से लटकन विधि में एक के ऊपर एक 4-5 थैली लटका दें।
- 15-20 दिन बाद संपूर्ण थैली सफेद दूधिया रंग की दिखने पर पॉलीथिन थैली को हटाकर पिंडनुमा संरचना को सुतली से लटका दें।
- प्रथम तुड़ाई थैली काटने के 5-7 दिन बाद, दूसरी तुड़ाई प्रथम तुड़ाई के 5-7 दिन बाद तथा तीसरी तुड़ाई दूसरी तुड़ाई के 5-7 दिन बाद लें।
- एक फसल में 45-50 दिन तथा उपज 500-800 ग्राम ताजा मशरूम/किलो सूखा भूसा प्राप्त हो जाता है।

ध्यान देने योग्य बिन्दु

1. मशरूम स्पान का माध्यम में पूर्ण फैलाव होने तक थैलियों में अतिरिक्त पानी देने की आवश्यकता नहीं होती है परंतु थैली के काटने के पश्चात पिंडनुमा संरचना सदैव नम होना चाहिये। इसको नम रखने के लिय ठंड के मौसम में 2-3 बार एवं गर्म मौसम होने पर दिन में 4-5 बार स्प्रेयर से पानी की सिंचाई करना चाहिए. आयस्टर मशरूम के अधिक उत्पादन हेतु ठंडा एवं नम वातावरण की आवश्यकता होती है। सीधा सूर्य का प्रकाश उत्पादन कक्ष में प्रवेश नहीं करना चाहिए। कक्ष में शुद्ध हवा का आवागमन अति आवश्यक हैं। इन मौसमीय परिस्थितियों के समुचित प्रबंधन से आयस्टर मशरूम की अच्छी उपज प्राप्त की जा सकती है।

पशुओं का स्वास्थ्य प्रबंधन

गलघोंटू

यह बीमारी पाश्चुरेल्ला मल्टोसिडा नामक जीवाणुओं के प्रकोप से होती हैं।

लक्षण

इस बीमारी से ग्रसित पशु को तेज बुखार (106 से 108 डिग्री सेल्सियस तक) हो जाता हैं मुंह से बहुतायत में लार बहती हैं, सिर में तथा अगले दोनों पैरों के बीच दुखदायी सूजन, पेटशूल तथा भूख न लगना, साँस लेने में तकलीफ, खून भरे दस्त, आंखों में सूजन, जीभ बड़ी तथा लाल होना, गिटकने में कठिनाई आदि लक्षण दिखाई देते हैं।

बचाव

बरसात से पूर्व गलघोंटू रोग विरोधी टीका ऑईल ॲडज्युव्हंट-वैक्सीन जिस पशु का शरीर भार 150 कि.ग्रा. तक हैं उन्हें लगवायें। जिन पशुओं का शरीर भार 150 किलो से ज्यादा हैं उन्हें ॲलम प्रेसिपिटेटेड वॅक्सीन 5 से 10 मिली त्वचा के नीचे लगवायें। टीकाकरण करने से पशु के शरीर में एक वर्ष तक इस रोग विरोधी शक्ति बनी रहती हैं। टीकाकरण न करने पर पशु की मृत्यु हो सकती हैं।

जहरी बुखार

इसे अंग्रेजी भाषा में ॲथ्रेक्स कहते हैं तथा ये बॅसिलस ॲथ्रॅसिस नामक जीवाणुओं के प्रकोप से होता हैं।

लक्षण

पशु को तेज बुखार होता है, पेट फूल जाता हैं, सभी प्राकृतिक छिद्रो से यानि नॉक, मुंह, योनी द्वार, गुदद्वार, कान से गहरे काले रंग का खून

बहता हैं जो जमता नहीं हैं यह इस बीमारी का प्रमुख लक्षण हैं। बीमारी बढ़ने पर पशु की मृत्यु हो जाती हैं।

बचाव

बरसात से पहले इस रोग विरोधी टीका ऑंथ्रॅक्स सीरम और साथ ही ब्रॉड स्पेक्ट्रम प्रति जैविक अंटीसीरम 100 से 350 मि.ली नस में लगवायें।

लंगड़ा रोग

अंग्रेजी में इस रोग को ब्लॅक क्वार्टर नाम से जाना जाता हैं तथा यह क्लोस्ट्रीडियम शोव्हाय नामक जीवाणुओं के प्रकोप से होता हैं.

लक्षण : पशु को तेज बुखार होता हैं, पुट्ठों पर विशेषकर पिछले पुट्ठे पर तथा शरीर में सूजन पैदा हो जाती है। पुट्ठों पर जो सूजन पैदा होती हैं उसे दबाने पर करकर जैसी आवाज आती हैं क्योंकि उसमें जीवाणु गैस (वायु) पैदा करते हैं।

बचाव : बरसात से पूर्व इस रोग विरोधी टीका (अंटीसीरम) 200 से 400 मिली नस में लगवायें।

उपाय : पेनीसिलीन, सिप्रोफ्लोक्सासीन तथा नॉर फ्लोक्सासीन जैसे प्रति जैविक इस रोग को नियंत्रण करने में काफी प्रभावशाली पाये गये हैं। लेकिन पशुओं को इस रोग की बाधा होती ही नहीं चाहिए इसलिये इस रोग विरोधी टीका बरसात से पहले अवश्य लगवा लें.

खुरपका-मुंहपका रोग

इसे अंग्रेजी भाषा मे फूट अंड माउथ डिसीज कहते हैं क्योंकि इस रोग से ग्रसित पशु के पैर तथा मुंह दोनों ज्यादा प्रभावित होते हैं.

लक्षण

इस रोग से ग्रसित पशु को तेज बुखार (104 से 106 डिग्री सेल्सियस तक) हो जाता हैं। पशु के मुंह में छाले हो जाते हैं जो बाद में फूट जाते हैं और वहाँ जख्म बन जाते हैं। इससे पशु के मुंह से लगातार चिपचिपी लार टपकती रहती हैं जो गाढ़ी होती हैं और मुंह से जमीन तक तार के माफिक टपकती रहती हैं। पशु के मुंह में दर्द होने से वह कुछ भी खा नहीं सकता अतः कमजोर हो जाता हैं। इसी प्रकार उसके खुरों के बीच भी फोड़े बन जाते हैं जो बाद में फूटकर वहां भी जख्म बन जाते हैं। पशु को काफी दर्द होने से वह चल-फिर नहीं सकता। अतः चराई नहीं कर सकता। जिससे वह और भी कमजोर हो जाता हैं। रोग के बढ़ने पर मुंह तथा खुर पैर टेढ़े हो जाते हैं. देशी जातियों की गायों की इस रोग-विरोधी शक्ति संकर तथा विदेशी पशुओं की अपेक्षा ज्यादा होने से वह मरती नहीं हैं लेकिन शरीर में विकृतियाँ जैसे मुंह तथा खुर टेढे होना मुंह के भीतर के दाँत गिर जाना आदि नुकसान तो निश्चित होते ही हैं.

उपाय

बचावः यह रोग विषाणु जन्य होने के कारण इस रोग का कोई उपाय नहीं हैं। रोग होने पर प्रति जैविक देना चाहिए लेकिन पशुओं को यह रोग होना ही नहीं चाहिए इसलिये बरसात से पूर्व इस रोग-विरोधी टीका क्वाड्री -व्हॅलंट फील्ड,वॅक्सीन चमड़ी के नीचे लगवाना चाहिए। यह वर्ष में दो बार लगवायें। यह करवाने से हम अपने अमूल्य पशुधन को इस बीमारी से बचाये रख सकते हैं। अतः टीकाकरण अवश्य करवायें।

आईपीएल 2024 अंक तालिका

टीम	मैच	जीत	हार	अंक	रन रेट
राजस्थान रॉयल्स	9	8	1	16	+0.694
कोलकाता नाइट राइडर्स	8	5	3	10	+0.972
सनराइजर्स हैदराबाद	8	5	3	10	+0.577
लखनऊ सुपर जाएंट्स	9	5	4	10	+0.059
दिल्ली कैपिटल्स	10	5	5	10	-0.276
चेन्नई सुपर किंग्स	8	4	4	8	+0.415
गुजरात टाइटंस	9	4	5	8	-0.974
पंजाब किंग्स	9	3	6	6	-0.187
मुंबई इंडियंस	9	3	6	6	-0.261
रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	9	2	7	4	-0.721

16 अंक होने के बाद भी अब तक प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई नहीं कर पाई राजस्थान की टीम

नई दिल्ली, एजेंसी। 16 अंक आम तौर पर प्लेऑफ के लिए डायरेक्ट क्वालिफिकेशन सुनिश्चित करता है, लेकिन अभी तक राजस्थान की टीम क्वालिफाई नहीं कर सकी है। एक और जीत से आरआर की टीम जरूर प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई कर जाएगी।

आईपीएल 2024 के 44वें मैच में राजस्थान रॉयल्स ने लखनऊ सुपर जाएंट्स पर सात विकेट से जीत हासिल की। 197 रन के लक्ष्य को राजस्थान ने 19 ओवर में तीन विकेट गंवाकर हासिल कर लिया। इस जीत के साथ राजस्थान के नौ मैचों में आठ जीत के साथ 16 अंक हो गए हैं। आरआर की टीम सिर्फ एक मैच हारी है। वहीं, लखनऊ की टीम नौ मैचों में पांच जीत और 10 अंक के साथ चौथे स्थान पर है। जब से 10 टीमों के बीच आईपीएल में मुकाबले हो रहे हैं, 16 अंकों को प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई करने का बेस माना जाता है। हालांकि, राजस्थान की टीम के 16 अंक होने के बावजूद उनके नाम के आगे क्वालिफाई नहीं लिखा गया है।

अंक तालिका का मौजूदा हाल

16 अंक आम तौर पर प्लेऑफ के लिए डायरेक्ट क्वालिफिकेशन सुनिश्चित करता है, लेकिन अभी तक राजस्थान की टीम क्वालिफाई नहीं कर सकी है। एक और जीत से आरआर की टीम जरूर प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई कर जाएगी। हालांकि, अब तक ऐसा इसलिए नहीं हुआ है क्योंकि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु समेत सभी टीमें अभी भी क्वालिफिकेशन के दौड़ में हैं। राजस्थान की टीम 16 अंक प्राप्त कर चुकी है और आरसीबी को छोड़कर बाकी टीमें अभी भी 16 अंक प्राप्त कर सकती हैं। ऐसे में राजस्थान के आगे क्वालिफाई नहीं लिखा गया है।

मुंबई और पंजाब के लिए करो या मरो की स्थिति

मुंबई इंडियंस और पंजाब किंग्स के लिए अब यहां से सभी मुकाबले करो या मरो वाले हैं। उन्हें अपने बाकी बचे पांच मैचों में से पांचों में जीत दर्ज करनी होगी।

दोनों के पास नौ मैचों के बाद छह-छह अंक हैं। पांच जीत से वह 16 अंक तक पहुंच पाएंगे। वहीं, गुजरात टाइटंस एक से ज्यादा मैच गंवाने का रिस्क नहीं उठा सकती है। उसके नौ मैचों में चार जीत और पांच हार के साथ आठ अंक हैं। 16 अंक तक पहुंचने के लिए उन्हें कम से कम चार मैच जीतने होंगे।

आईपीएल-2024

पंत ने इंपैक्ट प्लेयर को लेकर जाहिर की चिंता

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली ने पिछले मैच में गुजरात टाइटंस को चार रन से हराया था। दिल्ली ने मुंबई के खिलाफ चार विकेट पर 257 रन बनाकर आईपीएल इतिहास का अपना सबसे बड़ा स्कोर खड़ा किया था, लेकिन उसकी गेंदबाजी अच्छी नहीं रही थी और एक समय मुंबई इंडियंस जीत के करीब पहुंच गई थी। दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत भी उन खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए हैं जिन्हें इंपैक्ट प्लेयर नियम कुछ रास नहीं आ रहा है

। पंत ने इस नियम को लेकर चिंता जाहिर की है। दिल्ली की टीम लगातार दो मैचों में बड़ा स्कोर खड़ा करने के बाद भी बहुत कम अंतर से जीत दर्ज कर सकी है। दिल्ली ने शनिवार को खेले गए मैच में मुंबई इंडियंस को 10 रन से हराया।

दिल्ली ने पिछले मैच में गुजरात टाइटंस को चार रन से हराया था। दिल्ली ने मुंबई के खिलाफ चार विकेट पर 257 रन बनाकर आईपीएल इतिहास का अपना सबसे बड़ा स्कोर खड़ा किया था, लेकिन उसकी गेंदबाजी अच्छी नहीं रही थी और एक समय मुंबई इंडियंस जीत के करीब पहुंच गई थी। मुंबई के लिए तिलक वर्मा ने 32 गेंदों पर 63 रनों की पारी खेली थी।

इंपैक्ट प्लेयर नियम के कारण स्कोर का बचाव करना मुश्किल

पंत ने मैच के बाद कहा, हम 250 से ज्यादा रन बनाकर काफी खुश थे, लेकिन इंपैक्ट प्लेयर नियम के कारण इस तरह के स्कोर का भी बचाव करना मुश्किल होता जा रहा है।

पंत ने इसके साथ ही सलामी बल्लेबाज जैक फ्रेजर मैकगर्क की सराहना की जिन्होंने मुंबई इंडियंस के खिलाफ 27 गेंदों पर 84 रनों की पारी खेलकर दिल्ली को बड़े स्कोर तक पहुंचाने की नींव रखी। पंत ने कहा, मैकगर्क पहले दिन से ही अद्भुत प्रदर्शन कर रहा है और आप एक युवा खिलाड़ी से यही चाहते हैं। वह हर मैच के साथ बेहतर होता जा रहा है।

इंपैक्ट प्लेयर नियम को लेकर दिख रहे मतभेद

पंत से पहले रोहित शर्मा, डेविड वॉर्नर और लखनऊ सुपरजाएंट्स के एडम वोग्स ने भी इस पर अपनी राय व्यक्त की थी।

वोग्स का कहना था कि इंपैक्ट प्लेयर नियम ने ऑलराउंडर की भूमिका कम कर दी है, जबकि रोहित शर्मा ने ही इस चर्चा की शुरुआत की थी और कहा था कि वह इस नियम के फैन नहीं है। हालांकि, वॉर्नर ने इस नियम के पक्ष में आवाज उठाई थी। मालूम हो कि इंपैक्ट प्लेयर नियम पिछले साल आईपीएल में आया था और इसे फिलहाल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लागू नहीं किया गया है।

BOXING FEDERATION OF INDIA

आर्यन, जितेश ने एशियाई अंडर-22 और यूथ चैंपियनशिप में भारत को विजयी शुरुआत दी

अस्ताना, एजेंसी। युवा मुक्केबाज आर्यन (51 किग्रा) और जितेश (54 किग्रा) ने शनिवार को यहां एएसबीसी एशियन अंडर22 और यूथ बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2024 के शुरुआती दिन विजयी शुरुआत की। आर्यन और जितेश दोनों ने अपने पूरे मुकाबलों में दबदबे वाला प्रदर्शन करते हुए क्रमशः दक्षिण कोरिया के जो ह्योन वू और चीनी ताइपे के चेन यू चेन के खिलाफ 5-0 के अंतर से समान जीत हासिल की।

अन्य भारतीय मुक्केबाज जतिन (57 किग्रा), सागर जाखड़ (60 किग्रा) और यशवर्धन सिंह (63.5 किग्रा) शनिवार को युवा वर्ग में प्रतिस्पर्धा करेंगे। हालांकि, जदुमणि सिंह एम. (51 किग्रा), आकाश गोरखा (60 किग्रा), अजय कुमार (63.5 किग्रा) और अंकुश (71 किग्रा) रविवार को अंडर-22 वर्ग में भारत के अभियान की शुरुआत करेंगे।

एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता प्रीति (54 किग्रा), जो पहले ही पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुकी हैं, मंगलवार को महिलाओं के अंडर-22 वर्ग में उज्बेकिस्तान की उक्तामोवा निगिना के खिलाफ अपनी चुनौती की शुरुआत करेंगी।

बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया ने मौजूदा प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के लिए 50 सदस्यीय भारतीय टीम को मैदान में उतारा है, जिसमें 24 से अधिक देशों के 390 से अधिक मुक्केबाजों की उपस्थिति के साथ हाई-वोल्टेज एक्शन देखने को मिल रहा है, जो 25 भार श्रेणियों में पदकों के लिए लड़ रहे हैं। यूथ और अंडर-22 वर्ग के फाइनल क्रमशः 6 और 7 मई को खेले जाएंगे।

पाकिस्तान ने 5वें टी-20 में न्यूजीलैंड को हराया

सीरीज 2-2 से ड्रॉ, कप्तान बाबर का अर्धशतक, शाहीन को 4 विकेट

लाहौर,एजेंसी। पाकिस्तान ने न्यूजीलैंड को टी-20 सीरीज के 5वें और आखिरी मैच में 9 रन से हरा दिया। इसी के साथ पांच मैचों की सीरीज 2-2 से ड्रॉ हो गई। सीरीज का पहला मैच बारिश की वजह से बेनतीजा रहा था।

शनिवार को लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में खेले गए मैच में न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी। पाक टीम ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 278 रन बनाए और न्यूजीलैंड को 179 रन का टारगेट दिया। जवाब में कीवी टीम 19.2 ओवर में 269 रन पर ऑलआउट हो गई। शाहीन शाह अफरीदी प्लेयर ऑफ द मैच और सीरीज दोंनो रहें। उन्होंने सीरीज में कुल 8 विकेट लिए।

बाबर आजम का 34वां टी-20 इंटरनेशनल अर्धशतक

पाकिस्तान के लिए कप्तान बाबर आजम ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए अपने टी-20 इंटरनेशनल करियर का 34वां अर्धशतक लगाया। बाबर ने उस्मान खान (31) के साथ दूसरे विकेट के लिए 73 और फखर जमान (43) के साथ तीसरे विकेट के लिए 52 रन की साझेदारी की।

बाबर अपनी पारी में 44 गेंदों में 6 चौके और 6 छक्कों की मदद से 69 रन बनाकर आउट हुए। न्यूजीलैंड के लिए जाकारी फॉल्क्स, विलियम ओरूर्के, बेन सियर्स, ईश सोढ़ी और जेम्स नीशम ने एक-एक विकेट झटके। बाबर आजम ने 69 रन की पारी खेली।

सिफर्ट का अर्धशतक न्यूजीलैंड के काम न आया

न्यूजीलैंड के लिए टारगेट का पीछा करते हुए सलामी बल्लेबाज टिम सिफर्ट ने भी बेहतरीन अर्धशतकीय पारी खेली। यह उनके टी-20 इंटरनेशनल करियर का 9वां अर्धशतक रहा। उन्होंने माइकल ब्रेसवेल (23) के साथ दूसरे विकेट के लिए 76 रनों की पार्टनरशिप की। लेकिन, टीम को जीत नहीं दिला सके।

सिफर्ट ने 33 गेंदों का सामना करते हुए 7 चौके और 2 छक्कों की मदद से 52 रन बनाए। पाकिस्तान से तेज गेंदबाज अफरीदी ने 4 विकेट झटके। उसामा मीर ने दो विकेट लिए।

शादाब खान और इमाद वसीम को एक-एक विकेट मिला। विलियम ओ%रूर्के और बेन सियर्स रन आउट हुए। पाकिस्तान की ओर से तेज गेंदबाज अफरीदी ने 4 विकेट झटके।

शाहीन अफरीदी से घातक कोई नहीं, न्यूजीलैंड के खिलाफ रचा इतिहास, बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच शनिवार को पांच टी20 मैचों की सीरीज का पांचवां मैच खेला गया, जिसे पाकिस्तान ने 9 रनों से जीत लिया. लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में खेले गए पांचवें और आखिरी टी20 मैच को जीतकर पाकिस्तान ने सीरीज 2-2 से बराबर कर ली है. पांचवें मैच में शाहीन अफरीदी ने सबसे ज्यादा विकेट लिए और एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया. टी20 के इतिहास में अब तक किसी गेंदबाज ने ऐसा नहीं किया था.

शाहीन अफरीदी ने बनाया ये रिकॉर्ड

शाहीन अफरीदी ने टी20 के पहले ही ओवर में विकेट लेने के मामले में इतिहास रच दिया है. वह टी20 के पहले ओवर में कुल 50 विकेट लेने वाले दुनिया के पहले गेंदबाज बन गए हैं. यह कारनामा पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में खेले गए पांचवें और आखिरी टी20 मैच के दौरान हुआ. खास बात यह है कि पहले ओवर के इन विकेटों के लिए उनका इकॉनमी रेट सिर्फ 6.10 है, जिससे पता चलता है कि वह तेजी से स्ट्राइक करने के साथ-साथ रनों पर भी लगाम लगा सकते हैं.

इस लिस्ट में 50 विकेट के साथ पहला नाम शाहीन अफरीदी का है. इसके बाद इस फेहरिस्त में दूसरे नंबर पर भुवनेश्वर कुमार हैं. भुवी ने 5.03 की इकॉनमी रेट से 43 विकेट लिए हैं.

फिर दौड़ेगी रावलपिंडी एक्सप्रेस, Shoaib Akhtar ने रिटायरमेंट से वापसी का किया एलान!

लाहौर, एजेंसी। अप्रैल को पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में पांच टी20 मैचों की सीरीज का अंतिम मैच खेला गया. पाकिस्तान ने यह मैच 9 रनों से जीत लिया. मैच के दौरान शोएब अख्तर भी मैदान पर थे. स्टेडियम में मौजूद दर्शक शाओब के नारे लगाने लगे, जिसके बाद शोएब अख्तर ने कुछ ऐसा ट्वीट किया, जिससे फैंस बेताब हो गए.

रावलपिंडी एक्सप्रेस शोएब अख्तर बना रहें रिटायरमेंट से वापसी का प्लान?

लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच खेले गए आखिरी टी20 मैच के दौरान शोएब वहां मौजूद थे. वहां उन्होंने आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2024 की ट्रॉफी जश्न मना रही भीड़ को सौंपी. मैदान का माहौल हुआ इतना जबरदस्त कि रावलपिंडी एक्सप्रेस वापसी का सोचने लगे. इसके बाद उन्होंने ट्वीट के जरिए संन्यास से वापसी की ओर इशारा किया.

शोएब अख्तर ने ट्विटर पर क्या लिखा?

शोएब अख्तर ने ट्वीट में लिखा, वो शाओब शाओब के नारे बहुत दिल को छू लेने वाले थे. मैं फिर से आप सभी के लिए गेंदबाजी करने के लिए मैदान पर जाना चाहता था. रोंगटे खड़े हो गए! ! इस इमोशनल मैसेज को देख फैंस भी कमेंट में उन्होंने दोबारा देखने की बातें कहने लगे.

कब होगा इंडिया वर्सेस पाक टी20 वर्ल्ड कप 2024 मैच?

टी20 वर्ल्ड कप 2024, 2 जून से शुरू होने जा रहा है. इस टूर्नामेंट का आयोजन अमेरिका और वेस्टइंडीज में किया जाएगा. भारत और पाकिस्तान के बीच टी20 वर्ल्ड कप 2024 रविवार, 9 जून को न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा.

इंडिया वर्सेस पाकटी20 वर्ल्ड कप हेड टू हेड

आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप में भारत और पाकिस्तान अब तक 7 बार भिड़ चुके हैं. इनमें से भारत ने 5 मैच जीते हैं. तो वहीं पाकिस्तान सिर्फ 1 मैच जीत सका है. एक मैच टाई हुआ था.

क्या जॉली एलएलबी 3 का आगामी शेड्यूल साथ शूट करेंगे अक्षय-अरशद?

जॉली एलएलबी फ्रेंचाइजी की फिल्मों के लाखों दीवाने हैं। पहले भाग में अरशद वारसी ने अपने अभिनय का जलवा दिखाया था। वहीं, दूसरे भाग में अक्षय कुमार की अदाकारी लोगों को काफी पसंद आई थी। अब फिल्म की तीसरी किस्त का इंतजार लोगों को बेसब्री से है। इस फिल्म में दोनों सितारे एक साथ नजर आने वाले हैं। इस बीच फिल्म को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है।

नवीनतम रिपोर्ट्स की मानें तो जॉली एलएलबी 3 की शूटिंग इसी गर्मी के मौसम में शुरू होने जा रही है। फिल्म में अक्षय और अरशद अपनी-अपनी भूमिकाएं दोहराते नजर आएंगे। एक सूत्र के मुताबिक अरशद जल्द ही इस फिल्म के लिए अपने हिस्से की शूटिंग राजस्थान में शूटिंग शुरू करने के लिए तैयार हैं। वहीं, इस शेड्यूल में अक्षय के शामिल होने की कोई जानकारी सामने नहीं आई है एक रिपोर्ट में सूत्र के हवाले से बताया गया है कि अरशद वारसी जल्द ही राजस्थान में एक महीने का शेड्यूल शुरू करेंगे। इसके लिए लोकेशन पर प्री-प्रोडक्शन का काम शुरू हो चुका है। कहा जा रहा है कि सुभाष कपूर के निर्देशन में बन रही यह फिल्म मई में शुरू हो जाएगी।

2017 में अक्षय कुमार ने जॉली एलएलबी 2 में अरशद को रिप्लेस कर दिया था। पहली फिल्म में अरशद वारसी और सौरभ शुक्ला मुख्य भूमिकाओं में थे, जॉली एलएलबी बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित हुई थी। वहीं, इसके दूसरे भाग ने भी टिकट खिड़की पर जमकर कमाई की थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक ऐसा कहा जा रहा है कि तीसरी किस्त में दोनों जॉली आमने-सामने होंगे, इसमें भी जज की भूमिका में सौरभ शुक्ला नजर आएंगे। फिल्म को दोनों अभिनेताओं का बारे में जानकारी आ गई है, लेकिन इसकी अभिनेत्री को लेकर कोई घोषणा नहीं की गई है। कहा जा रहा है कि फिल्म की शूटिंग पूरे 2024 में की जाएगी और यह 2025 में बड़े पर्दे पर दस्तक देगी।

सालार 2 में कियारा आडवाणी के काम करने पर आया बड़ा अपडेट

प्रभास की फिल्म सालार 2 का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। इसके पहले भाग को फैंस ने खूब पसंद किया था। आए दिन फिल्म से जुड़ा कोई-न-कोई नया अपडेट सामने आ रहा है। हाल ही में, इस बात की अफवाह उड़ी कि फिल्म में कियारा आडवाणी भी नजर आएंगी। इस अफवाह को सुनते ही कियारा के फैंस उत्साहित हो गए। इसी बीच इस अफवाह को लेकर बड़ा खुलासा हो चुका है।

यह है अफवाह की हकीकत

वेबसाइट 123 तेलुगु की एक रिपोर्ट के अनुसार, कियारा आडवाणी के सालार 2 में काम करने की अफवाह में कोई सच्चाई नहीं है। यह एक झूठी खबर है। कुछ दिनों से यह अफवाह फैली हुई थी कि कियारा इस फिल्म में एक गाने में नजर आएंगी, लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं होने जा रहा। बेशक, इस बात को जानकर कियारा के फैंस को झटका लगने वाला है। अफवाह के खंडन के साथ ही फिल्म के सीक्वल में कियारा को देखने की उम्मीदों पर भी पानी फिर गया है।

संक्षिप्त समाचार

अमानतुल्ला खान को राहत नहीं, ईडी ने फिर भेजा समन, 29 अप्रैल को पेश होने को कहा

नई दिल्ली, एजेंसी। ईडी ने आप विधायक अमानतुल्ला खान को दिल्ली वक्फ बोर्ड में कथित अनियमितताओं से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में अगले हफ्ते फिर से पेश होने को कहा है। आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को बताया कि ओखला विधानसभा सीट से आम आदमी पार्टी के विधायक को 29 अप्रैल को पेश होने और पीएमएलए के प्रावधानों के तहत अपना बयान दर्ज कराना जारी रखने को कहा गया है। ईडी ने पिछले हफ्ते आप विधायक अमानतुल्ला खान से लगभग 13 घंटे तक पूछताछ की थी। ईडी ने यह समन ऐसे वक्त में जारी किया है जब संबंधित घटनाक्रम में दिल्ली की एक अदालत ने अमानतुल्ला खान को ईडी के समन की अनदेखी करने के मामले में केंद्रीय जांच एजेंसी की ओर से दायर एक मुकदमे में शनिवार को जमानत दे दी। अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट (एसीएमएम) दिव्या मल्होत्रा ने अदालत में पेश होने के बाद अमानतुल्ला खान को 15 हजार रुपये के निजी मुचलके और इतनी ही राशि की जमानत पर रिहा कर दिया। सुप्रीम कोर्ट की ओर से इस मामले में आप विधायक की अग्रिम जमानत याचिका पर विचार करने से इनकार किए जाने के बाद 18 अप्रैल को अमानतुल्ला खान केंद्रीय जांच एजेंसी के सामने पेश हुए थे। उस समय ईडी कार्यालय जाने से पहले संवाददाताओं से बातचीत के दौरान अमानतुल्ला खान ने दावा किया था कि जब वह वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष थे तो उन्होंने नियमों का पालन किया और कानूनी राय लेने के बाद और 2013 में आए नए अधिनियम (बोर्ड के लिए) के अनुसार सबकुछ किया था। बता दें कि अमानतुल्ला खान और उनके कथित सहयोगियों के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का मामला सीबीआई की एफआईआर और दिल्ली पुलिस की तीन शिकायतों से जुड़ा है। ईडी का दावा है कि अमानतुल्ला खान ने दिल्ली वक्फ बोर्ड में कर्मचारियों की अवैध भर्ती से बड़ी रकम हासिल की। यही नहीं उन्होंने इस रकम का इस्तेमाल अपने सहयोगियों के नाम पर अचल संपत्ति खरीदने में किया। आम आदमी पार्टी ने पहले कहा था कि अमानतुल्ला खान के खिलाफ ईडी का मामला फर्जी है। आप अपने विधायक के साथ खड़ी है।

इंटरसिटी की तर्ज पर चलेगी देश की पहली वंदे मेट्रो ट्रेन

नई दिल्ली, एजेंसी। दैनिक रेल यात्रियों की परेशानियों को देखते हुए रेलवे वंदे मेट्रो ट्रेन चलाने जा रहा है। निर्माण पर तेजी से काम किया जा रहा है। मेट्रो की तर्ज पर चलाई जाने वाली ये ट्रेनें पहले चरण में देश के 124 शहरों को आपस में जोड़ेंगी। रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि पहली वंदे मेट्रो ट्रेन जुलाई से पटरी पर दौड़ने लगेगी। प्रारंभ में इसे परीक्षण के तौर पर दो-तीन महीने तक चलाया जाएगा। उसके बाद अन्य रूटों पर चलाया जाएगा। परीक्षण के लिए अभी रूट का चयन नहीं किया गया है। अभी 50 ट्रेनें बनाकर तैयार है। परीक्षण के दौर से गुजरते ही चार सौ अतिरिक्त वंदे मेट्रो का आर्डर दिया जाएगा। अगले दो-तीन वर्षों में चार सौ वंदे मेट्रो चलाने की तैयारी है। वंदे मेट्रो में कोचों की संख्या जरूरत के अनुसार होगी। रेलवे की तैयारी चार, पांच, 12 और 16 कोच की है। जिस रूट पर यात्री ज्यादा होंगे, वहां की ट्रेन में 16 कोच होंगे। जहां कम से कम यात्री होंगे वहां चार कोच की ट्रेन होगी। पहली स्वदेशी सेमी-हाई स्पीड वंदे मेट्रो को इंटरसिटी की तर्ज पर चलाया जाएगा। इनके जरिए उन शहरों को जोड़ा जाएगा, जो अधिकतम ढाई सौ किमी के फासले पर स्थित होंगे। ट्रेनों की अधिकतम गति 130 किमी प्रति घंटा होगी और किराया सामान्य होगा। 2031-32 तक खत्म होगी वेटिंग समस्या ट्रेनों में वेटिंग की समस्या के बारे में रेल मंत्री ने बताया कि कोच, लोको और पटरियों के निर्माण का काम जब पूरा हो जाएगा, तब ट्रेनों में वेटिंग की समस्या खत्म हो जाएगी। इसमें कम से कम सात से आठ वर्ष लगेंगे। मतलब 2031-32 तक ट्रेनों में वेटिंग समस्या खत्म हो जाएगी। सभी को कन्फर्म टिकट मिलने लगेगा। अभी प्रत्येक वर्ष पांच हजार किमी नई पटरियां बिछाई जा रही हैं। अगले वर्ष तक इसे बढ़ाकर छह हजार प्रति वर्ष करने का लक्ष्य है।

7 घंटे पूछताछ, 95 सवाल और 20 नामों का खुलासा; स्क्रैप माफिया रवि काना ने उगले कई राज

नई दिल्ली, एजेंसी। थाईलैंड से गिरफ्तार कर भारत लाए गए स्क्रैप माफिया रवि काना और उसकी गर्लफ्रेंड काजल झा ने नोएडा पुलिस की पूछताछ के दौरान कई बड़े राज उगले हैं। पुलिस ने उनसे अवैध स्क्रैप और सरिया के काले कारोबार के बारे में 7 घंटे तक पूछताछ की। सूत्रों के मुताबिक, रवि काना से करीब 50 सवाल पूछे गए। उसकी गर्लफ्रेंड से 45 सवालों के जवाब मांगे गए। बताया जा रहा है कि पूछताछ में दोनों ने 20 से अधिक लोगों के नामों का खुलासा किया।

ग्रेटर नोएडा के दनकौर कोतवाली क्षेत्र के दादूपुर गांव के रहने वाले रवि काना ने जिले के विभिन्न कंपनियों में स्क्रैप के ठेके ले रखे थे। अपने गैंग द्वारा डरा-धमकाकर दबंगई के बल पर वह कंपनियों से ठेके कब्जा लेता था। इसके अलावा सरिया के काले कारोबार का उसका अवैध धंधा भी गौतमबुद्ध नगर के अलावा आसपास के जिलों में फैला हुआ था। पुलिस की छानबीन में पता चला है कि फर्जी कंपनी बनाकर सरिया का अवैध कारोबार किया जा रहा था। पुलिस की पूछताछ में कुछ लोगों के नाम भी उजागर हुए हैं। बताया जा रहा है कि जिन लोगों के नाम सामने आए हैं, उन्हें केस डायरी में शामिल किया जाएगा। इसके बाद केस में चार्जशीट दाखिल होगी और शासन को भी रिपोर्ट भेजी जाएगी। स्क्रैप माफिया द्वारा कुछ लोगों के नाम उजागर होने पर अवैध धंधे से जुड़े लोगों में खलबली मची हुई है। पुलिस पूछताछ में मीडिया के कुछ लोगों के नाम भी उजागर हुए हैं। पुलिस द्वारा कुछ लोगों से पूछताछ भी की जा सकती है।

स्क्रैप माफिया रवि काना और उसके पांच साथियों के खिलाफ दिसंबर 2023 में नोएडा सेक्टर-39 थाना पुलिस ने गैंगरेप का मुकदमा दर्ज किया था। गैंगरेप की यह घटना जून 2023 की थी। युवती ने आरोप लगाया था कि नौकरी दिलाने के बहाने नोएडा के एक मॉल की पार्किंग में कार के अंदर उसके साथ गैंगरेप की घटना को अंजाम दिया गया था।

2 जनवरी को बीटा दो कोतवाली में माफिया रवि काना, उसकी पत्नी मधु नागर और गर्लफ्रेंड काजल झा समेत 16 सदस्यों के खिलाफ गैंगस्टर ऐक्ट का मुकदमा दर्ज हुआ था। पुलिस पूछताछ के दौरान पता चला है कि रवि काना, पत्नी मधु नागर और गर्लफ्रेंड काजल झा के साथ ग्रेटर नोएडा से दिल्ली एयरपोर्ट और उसके बाद सीधे थाईलैंड पहुंचा था। वे पिछले तीन महीने से वहां बैंकॉक में किराये पर फ्लैट लेकर रह रहे थे। मुख्य आरोपी रवि काना, उसकी पत्नी मधु, राजकुमार नागर, तरुण छोंकर, अमन, विशाल, अवध उर्फ बिहारी उर्फ अमर सिंह, महकी नागर उर्फ महकार, अनिल, विक्की, अफसार, राशिद अली, आजाद नागर, विकास नागर और काजल झा। इन्हें मिल चुकी है जमानत ⁼ गैंग में शामिल रवि की पत्नी मधु और अन्य आरोपी राशिद को कोर्ट से जमानत मिल चुकी है। गौतमबुद्धनगर पुलिस कमिश्नर द्वारा स्क्रैप माफिया रवि काना और काजल झा पर 50-50 हजार का इनाम घोषित किया गया था। लगातार पुलिस से छिपे रहने और कोर्ट में सरेंडर न करने की वजह से दोनों के घरों की कुर्की की कार्रवाई भी की जा चुकी है। पुलिस इस गैंग की ढाई सौ करोड़ से अधिक की संपत्ति जब्त कर चुकी है।

स्क्रैप माफिया रवि काना गिरफ्तारी के बाद शुक्रवार की रात नॉलेज पार्क थाने में रहा लेकिन वह डर की वजह से सोया नहीं, उसे लगता रहा कि कहीं सुंदर भाटी गैंग के लोग उस पर हमला न कर दें।

दिल्ली में फिर झमाझम बारिश का अलर्ट, 3 दिन खराब रहेगा मौसम, 50 की रफ्तार से चलेंगी हवाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर में मौसम का मिजाज बदलने वाला है। मौसम विभाग ने दिल्ली-एनसीआर के इलाकों में तीन दिन बारिश की संभावना जताई है। मौसम विभाग का कहना है कि पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से मौसम में यह बदलाव आएगा। आईएमडी के मुताबिक, दिल्ली-एनसीआर में इस हफ्ते लू चलने की संभावना नहीं है। इससे दिल्ली वालों को काफी राहत मिलेगी। दो मई तक तापमान 39 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है।

मौसम विभाग की ओर से जारी ऑल इंडिया वेदर बुलेटिन में कहा गया है कि मौजूदा वक्त में एक पश्चिमी विक्षोभ साइक्लोनिक सर्कुलेशन के रूप में पाकिस्तान और उत्तरी बांग्लादेश के क्षेत्रों पर मौजूद है। एक ट्रफ लाइन उत्तरी बांग्लादेश से उत्तरी ओडिशा तक देखी जा रही है। यही नहीं पश्चिमी राजस्थान पर भी चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र नजर आ रहा है। पूर्वोत्तर असम पर भी एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन मौजूद है। इन वेदर सिस्टम का असर उत्तर पश्चिमी और मध्य भारत तक देखा जा रहा है।

मौसम विज्ञानियों का कहना है कि पश्चिमी हिमालय पर लागातार पश्चिमी दस्तक दे रहे हैं। इसका असर दिल्ली एनसीआर तक देखा जा रहा है। दिल्ली एनसीआर में भी रह-रहकर फुहारें पड़ने लगी हैं। इससे दिल्ली एनसीआर में अभी तक लू चलने की स्थितियां नहीं बन पाई है। मौसम विभाग का कहना है कि अगले सात दिन तक दिल्ली एनसीआर में लू चलने की कोई संभावना नहीं है। अगले छह दिनों के दौरान दिल्ली एनसीआर में अधिकतक तापमान 38 से 39 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना रहेगा।

दिल्ली के जहांगीरपुरी में महिला की हत्या कर भागा आरोपी गोरखपुर से दबोचा, नेपाल भागने का था प्लान

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के जहांगीरपुरी में महिला की हत्या कर फरार हुए मुख्य आरोपी को उसके साथी समेत पुलिस ने शनिवार को गोरखपुर से पकड़ लिया है, जबकि उसके एक साथी को गुरुग्राम से दबोचा गया है। आरोपी गोरखपुर के रास्ते नेपाल भागने की फिराक में था। जांच में सामने आया है कि आरोपी पहले भी नेपाल आता-जाता रहा है। मुख्य आरोपी मूल रूप से बिहार के बक्सर का रहने वाला है। कुछ दिन से वह कापसहेड़ा इलाके में रह रहा था। शुक्रवार को हत्याकांड की सूचना मिलने के बाद आरोपियों को पकड़ने के लिए पुलिस की 10 टीमें लगाई गई थीं। नेपाल भागने के सभी रास्तों पर उन जिलों की सुरक्षा एजेंसियों को जानकारी साझा की गई थी। पुलिस की अलग-अलग टीमें बस अड्डा, रेलवे स्टेशन और प्लैटफॉर्म पर लगे सीसीटीवी फुटेज की मदद से गोरखपुर तक पहुंची। पुलिस अधिकारी के मुताबिक, आरोपी 2021 से मृतका की नाबालिग बेटी को परेशान कर रहा था। वर्ष 2021 और 2023 में वह पकड़ा भी गया था। वह एक महीने बाल सुधार गृह में भी रहा था। बीते मार्च में ही वह किशोरी को लेकर नेपाल भाग गया था। पुलिस ने लड़की को उसकी लोकेशन की मदद से बरामद कर उसके परिवार को सौंप दिया था। इसके बाद लड़की को परिजनों ने पढ़ाई करने के लिए एक हॉस्टल में भेज दिया। उसके बाद से ही आरोपी लगातार लड़की की तलाश में था। शुक्रवार को भी वह इसी इरादे से उसके घर पर पहुंचा था, लेकिन वहां कहासुनी होने पर उसने किशोरी की मां को गोली मार दी थी। पुलिस ने शनिवार दोपहर पोस्टमॉर्टम कराने के बाद महिला का शव उसके परिवार को सौंपा दिया। दोपहर बाद पुलिस की सुरक्षा में महिला का अंतिम संस्कार कर दिया गया। हालात खराब होने के चलते महिला की नाबालिग बेटी अंतिम संस्कार में शामिल नहीं हुई। उसे मोबाइल से ही मां के अंतिम दर्शन करवाए गए।

वायु रक्षा प्रणाली को चकमा देने वाली मिसाइलों से लैस हुए लड़ाकू विमान, सुपरसोनिक गति से मार कर सकती है रैंपेज

नई दिल्ली, एजेंसी। चीन के साथ सीमा पर तनाव के मद्देनजर भारत अपनी सैन्य क्षमता को मजबूत करने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। स्वदेश में रक्षा उपकरण बनाने के साथ ही मित्र देशों से अत्याधुनिक मिसाइलें और सैन्य उपकरण खरीद कर भी लड़ाकू विमानों के बेड़े की मारक क्षमता बढ़ाई जा रही है। इसी सिलसिले में वायु रक्षा प्रणाली को चकमा देने वाली रैम्पेज मिसाइलों को भारतीय वायुसेना और नौसेना के बेड़े में शामिल किया गया है।

सुपरसोनिक या आवाज से अधिक गति वाली रैम्पेज 250 किलोमीटर तक लक्ष्य को ध्वस्त करने में सक्षम है। रक्षा सूत्रों ने बताया कि वायुसेना ने सुखोई -30 एमकेआई और मिग -29, जगुआर लड़ाकू विमानों को रैम्पेज मिसाइलों से लैस किया है। नौसेना ने मिग-29 के नौसैनिक लड़ाकू विमानों के लिए मिसाइलों को अपने बेड़े में भी शामिल किया है। वायुसेना अब इस बात पर भी विचार कर रही है कि क्या मेक इन इंडिया कार्यक्रम के तहत रैम्पेज को बनाया जा सकता है। हवा से जमीन पर मार करने वाली रैम्पेज मिसाइलों के शामिल होने से भारतीय लड़ाकू विमानों की मारक क्षमता और बढ़ गई है। 2019 में बालाकोट हवाई हमले में इस्तेमाल की गई स्पाइस-2000 की तुलना में यह मिसाइल अधिक दूरी तक मार कर सकती है। हाई-स्पीड लो ड्रैग-मार्क 2 मिसाइल के रूप में जानी जाने वाली रैम्पेज मिसाइल को इजरायल ने विकसित किया है। इजरायल ने हाल ही में इसी मिसाइल से ईरानी ठिकानों पर कहर बरपाया था।

चारधाम यात्राः केदारनाथ-बदरीनाथ धामों में 1 घंटे के अंदर भक्तों को होंगे दर्शन

नईदिल्ली, एजेंसी। चारधाम यात्रा के लिए उत्तराखंड आने वाले श्रद्धालुओं को धाम और मंदिरों में अब घंटों लंबी कतार में नहीं लगना होगा। केदारनाथ, बदरीनाथ, गंगोत्री समेत चारों धामों में भक्तों को आसानी से दर्शन हो सकेंगे। स्लॉट टोकन सिस्टम के जरिए श्रद्धालुओं को एक घंटे के भीतर दर्शन हो जाएंगे। सरकार इस साल टोकन स्लॉट सिस्टम को अधिक प्रभावी रूप से लागू करने जा रही है। श्रद्धालुओं का समूह बनाकर उन्हें एक तय समय दिया जाएगा, जिसमें वो आकर दर्शन कर सकेंगे। पर्यटन एवं धर्मस्व मंत्री सतपाल महाराज ने चारधाम यात्रा की तैयारियों की जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि इस बार बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री में स्लॉट टोकन सिस्टम को सख्ती से लागू किया जाएगा। श्रद्धालुओं को दर्शन का वक्त पता होने से वे अपने समय का दूसरे स्थलों के दर्शन में भी सदुपयोग कर सकेंगे। अधिकारियों को इस बाबत सख्त निर्देश दे दिए गए हैं।

किसानों के लिए खुशखबरी, केंद्र सरकार ने प्याज के निर्यात पर लगा प्रतिबंध हटाया

नईदिल्ली, एजेंसी। लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार ने महाराष्ट्र में प्याज की खेती करने वाले किसानों को बड़ी और जरूरी राहत दी है। केंद्र ने बांग्लादेश, श्रीलंका, भूटान, बहरीन, मॉरीशस और संयुक्त अरब अमीरात जैसे छह देशों के सिए एक लाख टन प्याज निर्यात करने की अनुमति दी है। केंद्र ने मध्य पूर्व और कुछ यूरोपीय देशों के बाजारों के लिए विशेष रूप से उगाए गए 2000 टन सफेद प्याज के निर्यात की भी अनुमति दी है।

टिकटॉक स्टार ओम फहद की बगदाद में गोली मारकर हत्या, कैमरे में कैद हुई मर्डर की घटना

बगदाद, एजेंसी। इराकी टिकटॉक स्टार ओम फहद की पूर्वी बगदाद के जोयौना जिले में उनके घर के बाहर देर रात गोली मारकर हत्या कर दी गई। हत्या की इस घटना को कैमरे में रिकॉर्ड किया गया है। हमलावर एक मोटरसाइकिल पर काले कपड़े और हेलमेट पहनकर आया था। वह इस हत्या को अंजाम देने के लिए मोटरसाइकिल से उतरा और वहां पहले से खड़ी एक काली एसयूवी की ओर चला गया। उसने कार में बैठी ओम फहद को गोली मार दी। अल जजीरा ने बताया कि इस हत्याकांड की जांच के लिए एक कमेटी का गठन किया गया है।

आपको बता दें कि ओम फहद का असली नाम गुफरान सावादी है। वह पॉप गानों पर डांस करते हुए टिकटॉक पर वीडियो बनाती है। यहां उसके 5 लाख से अधिक फॉलोअर्स हैं।

इससे पहले फरवरी 2023 में उसे एक अदालत द्वारा छह महीने की जेल की सजा सुनाई गई थी। अदालत ने माना था कि

उनके वीडियो में अशोभनीय भाषा का प्रयोग किया गया था। उनके कुछ वीडियो को दस लाख से अधिक बार देखा गया था।

जनवरी 2023 में इराकी आंतरिक मंत्रालय द्वारा इराकी समाज में नैतिकता और पारिवारिक मूल्यों की रक्षा का हवाला देते हुए ओम फहद जैसे प्रभावशाली लोगों के पोस्ट की जांच के लिए एक समिति का गठन किया था। अल जजीरा ने बताया कि एक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म भी बनाया गया जहां इराकी यूजर ऐसे किसी भी पोस्ट की शिकायत कर सकते हैं।

अमेरिका में फलस्तीन समर्थक छात्रों के साथ प्रदर्शन में उतरे शिक्षक, आंदोलनकारी छात्रों को समझाने की कोशिशें जारी

न्यूयार्क , एजेंसी। गाजा में इजरायल के हमलों के विरोध में प्रदर्शन कर रहे विश्वविद्यालय छात्रों के साथ में अब उनके शिक्षक भी आ रहे हैं। कई विश्वविद्यालयों और कालेजों में शिक्षकों ने परिसर में पुलिस बुलाने के लिए संस्थान के प्रशासन की निंदा की है।

अमेरिका की शिक्षण संस्थाओं में फलस्तीनियों के समर्थन वाला आंदोलन फैलता जा रहा है। कई विश्वविद्यालयों और कालेजों में आंदोलन को बलपूर्वक कुचलने और सैकड़ों छात्र-छात्राओं की गिरफ्तारी के बाद अब संस्थाओं का प्रशासन छात्रों से बातचीत की राह पर है।

कोलंबिया विश्वविद्यालय में धरना दे रहे छात्रों से वार्ता की शुरुआत हो चुकी है। अभी तक धरने को खत्म करने की चेतावनी दे रहे विश्वविद्यालय प्रशासन ने शुक्रवार रात विद्यार्थियों को ईमेल भेजकर कहा कि परिसर से पुलिस को वापस भेजने के कदम उठाए जा रहे हैं। इससे विश्वविद्यालय का वातावरण

बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। न्यूयार्क की कई संस्थाओं ने आंदोलन को शांत करने के लिए वार्ता प्रक्रिया अपनाने का निर्णय लिया गया है। गाजा में मृतकों की संख्या बढ़ने के साथ ही अमेरिका में इजरायल की मदद रोकने और उसके साथ सहयोग समझौता तोड़ने की मांगें तेज हो गई हैं। शनिवार को बोस्टन के नार्थ ईस्टर्न विश्वविद्यालय में पुलिस ने परिसर में चल रहे धरने और आंदोलन को खत्म करवाने के लिए कार्रवाई की। प्रशासन ने कहा कि दो दिन पहले विश्वविद्यालय में यह आंदोलन बाहरी और पेशेवर लोगों ने शुरू करवाया। इस दौरान आंदोलन में यहूदी विरोधी नारेबाजी की गई और उन्हें मारने का आह्वान किया गया। विश्वविद्यालय प्रशासन ने एक्स पर पोस्ट संदेश में कहा है कि परिसर में इस तरह की भावनाएं बर्दाश्त नहीं की जाएंगी। आंदोलनकारी छात्रों, उन्हें समर्थन दे रहे शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों ने कैलिफोर्निया, जार्जिया और टेक्सास में संस्थाओं के प्रशासन के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की चेतावनी दी है।

सिंध में हिंदू लड़कियों के जबरन मतांतरण का तीव्र विरोध शुरू

पाकिस्तान में जर्मन राजदूत के सामने लगे फलस्तीन के समर्थन में नारे

कराची , एजेंसी। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में हिंदू लड़कियों के अपहरण और जबरन मतांतरण का पुरजोर विरोध हो रहा है। सिंध प्रांत को अलग देश बनाने की मांग करने वाले संगठन जय सिंध फ्रीडम मूवमेंट (जेएसएफएम) के चेयरमैन सोहैल अब्रो ने अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों से दो वर्ष से लापता हिंदू लड़की सात वर्षीया प्रिया कुमारी की सुरक्षित रिहाई के लिए हस्तक्षेप की मांग की है।

दो वर्ष पहले मोहर्रम जुलूस के दौरान प्रिया लापता हो गई और उसका अभी तक पता नहीं चला है।सोहैल ने सिंध हिंदू लड़कियों के जबरन मतारंण और मुस्लिम पुरुषों के साथ शादी कराने की खतरनाक परिपाटी को उजागर किया। अकसर देश में कट्टरपंथी लोगों के प्रभाव में यह काम किया जाता है। सोहैल ने ऐसे कृत्य के आरोपित लोगों का पक्ष लेने के लिए न्यायपालिका की आलोचना की और प्रिया कुमारी जैसी पीड़िता के लिए न्याय की मांग की।

इंटरनेट मीडिया पर अपने संदेश में सोहैल ने कहा, सिंधी हिंदू लड़कियों का जबरन मतांतरण और मुस्लिम व्यक्तियों से शादी कराई जाती है। आरोपित स्वतंत्र घूम रहे हैं। यहां तक कि जब लड़की अपने परिवार में लौटने की इच्छा व्यक्त करती है तो अदालतें ऐसा करने से इन्कार कर देती हैं, क्योंकि अदालतें उन लोगों के पक्ष में खड़ी रहती हैं। विश्व सिंधी कांग्रेस ने हिंदुओं की दुर्दशा उजागर कीविश्व सिंधी कांग्रेस ने अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता पर संयुक्त राष्ट्र आयोग की ओर से 23 अप्रैल को आयोजित कान्फ्रेंस में पाकिस्तान में सिंधी हिंदुओं की दुर्दशा का मुद्दा उठाया। सिंधी कांग्रेस ने प्रभावशाली जमींदार द्वारा प्रिया जैसी लड़कियों के अपहरण समेत

उनकी दुर्दशा का उल्लेख किया। पिछले दो वर्ष में सौ से ज्यादा सिंधी हिंदू लड़कियों का जबरन मतांतरण और विवाह कराया गया है। पाकिस्तान में शनिवार को जर्मन राजदूत के सामने बड़ी असहज स्थिति पैदा हो गई। जब वह कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे तो एक शख्स फलस्तीन के समर्थन में नारे लगाने लगा। राजदूत अल्फ्रेड ग्रैनास दक्षिण एशिया में नागरिक अधिकारों की सुरक्षा विषय पर कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। भाषण की लाइव स्ट्रीमिंग तब तक रोकनी पड़ी जब तक आयोजक युवक को हाल से बाहर निकालने में कामयाब नहीं हो गए। दरअसल, भाषण शुरू करने के कुछ समय बाद ही एक युवक अपनी सीट से उठा और चिल्लाने लगा। उसने कहा कि क्षमा करें, मैं इस दुस्साहस से स्तब्ध हूं कि आप यहां नागरिक अधिकारों के बारे में बात करने आए हैं, जबकि आपका देश फलस्तीनियों के अधिकारों के लिए बोलने वाले लोगों के साथ करूरतापूर्वक पेश आ रहा है। वहां मौजूद कुछ अन्य लोग भी फलस्तीन के समर्थन में नारे लगाने लगे। इस दौरान राजदूत भी अपना आपा खोते दिखे। उन्होंने कहा कि अगर आप चिल्लाना चाहते हैं, तो बाहर जाएं। चिल्लाना चर्चा नहीं है। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में हथियारबंद लोगों ने शनिवार को जिला एवं सत्र न्यायाधीश का अपहरण कर लिया। पुलिस ने बताया कि शकीरुल्लाह मारवात का अफगानिस्तान की सीमा से लगे डेरा इस्माइल खान जिले के पास अपहरण किया गया।

फ्लाइट की टॉयलेट सीट के नीचे आईफोन छिपा बनाता था गंदी वीडियो, किशोरी ने रंगे हाथ पकड़ा

बोस्टन , एजेंसी। अमेरिकन एयरलाइंस के एक फ्लाइट अटेंडेंट को हवाई जहाज के बाथरूम में चोरीछिपे 14 वर्षीय लड़की का वीडियो रिकॉर्ड करने की कोशिश करने के मामले में गुरुवार को अभियोजित किया है। यह मामला पिछले सितंबर में सामने आया था।

पुलिस ने आरोप लगाया कि 36 वर्षीय एस्टेस कार्टर थांपसन के पास विमान में शौचालय का उपयोग करने वाली चार अन्य लड़कियों की रिकॉर्डिंग थी। थांपसन को जनवरी 2024 में वर्जीनिया में गिरफ्तार किया गया था। वह तब से हिरासत में है। उसके वकील ने संघीय ग्रैंड जूरी द्वारा अभियोग के बाद कहा कि वह टिप्पणी करने में असमर्थ हैं।

जांचकर्ताओं ने कहा कि दो सितंबर 2023 को चार्लोट से बोस्टन की उड़ान के बीच किशोरी का वीडियो बनाने की कोशिश की गई थी। उसके सीट के पास का शौचालय भरा होने पर थांपसन ने प्रथम श्रेणी का शौचालय इस्तेमाल करने की सलाह दी।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रकः- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंध्दी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय

कार्यालय पताः-एच. 21 अंकित अपार्टमेंट ब्रजेश्वरी एनएक्स, इंदौर मध्यप्रदेश मोः- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा।

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार,आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।